

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 101

मुँरैना, सोमवार 20 जुलाई 2026

पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

राज्य सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में जारी की 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि

प्रधानमंत्री फसल बीमा के अंतर्गत खरीफ-2025 की दावा राशि सिंगल क्लिक से अंतरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जगदीशपुर में मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद जारी की राशि



भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जगदीशपुर में मंत्री परिषद की बैठक के तुरंत बाद

पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान अपनी अभिपूचित फसलों का बीमा, निधारित तिथि से पहले करवा लें। इससे उपज में हानि होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकेगी। राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है।

किसानों को 2016 से 2025 तक 30 हजार 942 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एलन सिंह कंधाना ने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक 30 हजार 942 करोड़ 34 लाख रुपए का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है।

सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने पर पत्नी ने सरकार पर उठाए सवाल, स्वास्थ्य संबंधी दावों को बताया भ्रामक

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। जंतर-मंतर पर अनशनरत पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को शनिवार को सफदरजंग अस्पताल ले जाने की घटना को लेकर उनकी पत्नी डॉ. गीतांजलि आंमो ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा वांगचुक की बिगड़ती सेहत का हवाला देकर उन्हें अस्पताल ले जाने का दावा तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। उनके अनुसार वांगचुक के सभी चिकित्सकीय मानक सामान्य थे और यदि वास्तव में स्वास्थ्य को लेकर चिंता होती तो पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से अपनाई जाती।

रविवार को मीडिया से बातचीत में डॉ. गीतांजलि आंमो ने कहा कि सरकार का यह कहना कि सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ रही थी, वास्तविकता से परे है। उन्होंने कहा कि शनिवार शाम तक हुई चिकित्सकीय जांच की रिपोर्ट में उनका पोर्टेथियम स्तर 4.3 था और अन्य सभी स्वास्थ्य मानक भी सामान्य पाए गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार वास्तव में उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थी तो सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों को भेजने के बजाय चिकित्सकों की टीम धरनास्थल पर भेजी जा सकती थी और परिवार को स्थिति से अवगत कराया जा सकता था।

डॉ. आंमो ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य संबंधी चिंता का तर्क केवल एक बहाना था। उनका दावा था कि प्रशासन को इस बात की आशंका थी कि यदि सोनम वांगचुक प्रस्तावित संसद मार्च शुरू करते हैं तो देशभर से बड़ी संख्या में लोग आंदोलन से जुड़ सकते हैं। इसी आशंका के चलते उन्हें धरनास्थल से हटाया गया।



उन्होंने कहा कि परिवार वांगचुक का उपचार अपनी पसंद के चिकित्सकों की देखरेख में करना चाहता है, जहां उन्हें अधिक विश्वास और सहजता महसूस हो। उन्होंने बताया कि शनिवार रात की रिपोर्ट में वांगचुक का रक्तचाप, जो सामान्यतः 110/70 रहता है, बढ़कर 125/85 दर्ज किया गया। उनके अनुसार यह वृद्धि वहां के तनावपूर्ण माहौल का परिणाम हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे थे। शनिवार सुबह उन्हें उपचार के लिए दिल्ली पुलिस ने सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया था। इस पदानुक्रम के बाद आंदोलन और उससे जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गए हैं।

इस बीच दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सोशल मीडिया अभियान और प्रस्तावित प्रदर्शन से जुड़े कुछ मामलों में भी कार्रवाई की है। राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुस्था व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस हलात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

बिना अनुमति संसद मार्च को लेकर दिल्ली पुलिस ने जारी की चेतावनी, सीजेपी करने वाली है मार्च

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर सार्वजनिक परामर्श जारी किया है। पुलिस का कहना है कि किसी भी विरोध मार्च या जुलूस के लिए न तो अनुमति मांगी गई है और न ही दी गई है। नई दिल्ली जिले में लागू निषेधाज्ञा के कारण बिना अनुमति ऐसे आयोजन प्रतिबंधित हैं।

दिल्ली पुलिस के सार्वजनिक परामर्श में कहा गया है कि नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (आईपीसी 144) के तहत निषेधाज्ञा लागू है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के विरोध मार्च, जुलूस, प्रदर्शन और सभा पर रोक है। केवल जंतर-मंतर स्थित निर्धारित प्रदर्शन स्थल पर पूर्व अनुमति के साथ ही प्रदर्शन किया जा सकता है।

पुलिस ने कहा कि 20 जुलाई से संसद का सत्र शुरू



होने के कारण सार्वजनिक सुरक्षा, संरक्षित व्यक्तियों की सुरक्षा और महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। परामर्श में चेतावनी दी गई है कि निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 तथा अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मायावती ने संसद के मानसून सत्र के हंगामेदार होने की जताई आशंका

लखनऊ, 19 जुलाई (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संसद के मानसून

संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जायेगी। मायावती ने आगे लिखा कि अयोध्या श्रीराम मंदिर में

सत्र के हंगामेदार रहने की आशंका जताते हुए कहा कि राम मंदिर चढ़ावा समेत कई अहम मुद्दे सदन में उठेंगे, जिन पर पूरे देश की नजर रहेगी। उन्होंने सभी दलों से संसद का मानसून सत्र बिना किसी उत्तेजना, रोष और विद्रोह के शांतिपूर्ण एवं सुचारु ढंग से चलाने की जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है।

मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर सात पॉइंट में लंबा पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि अब जबकि संसद का मानसून सत्र कल 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश व आमजन की चिन्ता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जायेगा या फिर महंगाई, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपरलोक आदि से जुड़े देश के ज्वलंत मुद्दों से उत्पन्न माहौल को शांत करने व इनके



लापरवाही के कारण गर्भवति महिलाओं की मौत सहित विभिन्न राज्यों में बढ़ती महिला असुरक्षा, भ्रष्टाचार समेत कई मुद्दे भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था व यहाँ के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करता अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध और रुपये का अवमूल्यन आदि ऐसे मुद्दे हैं जिनपर राजनीतिक द्वेष, स्वार्थ व आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्णता/वैमनस्य को त्यागकर सत्ता और विपक्ष दोनों को एकजुट होकर अच्छा उपाय ढूँढ कर सराहनीय कार्य करना होगा।

‘वंदेमातरम’ को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक कल राज्यसभा में होगा पेश

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। केन्द्रीय गृहमंत्री सोमवार को राज्यसभा में राष्ट्रगीत ‘वंदेमातरम’ को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक पेश करेंगे। इस अधिनियम के तहत राष्ट्रीय ध्वज और सिंवाधान का अपमान तथा राष्ट्रगान में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा।

राज्यसभा की कल की कार्यसूची में इसकी जानकारी दी गई है। विधेयक 1971 के राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 को संशोधित करेगा। यह विधेयक राष्ट्रगीत वंदेमातरम को भी राष्ट्रगान की ही तरह सम्मान देने के उद्देश्य से लाया जायेगा। अपमान करने वाले को तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसमें गायन से जुड़ी अनिवार्यता के भी प्रावधान हैं।

दूसरी और लोकसभा में केंद्रीय कानून मंत्री अजुन राम मेघवाल उच्चतम न्यायालय में जजों की संख्या बढ़ाए जाने से जुड़े विधेयक को पेश करेंगे। इसका उद्देश्य देश की शीर्ष अदालत में जजों की संख्या को 33 से 37 करना है।

संसद का मानसून सत्र कल से आरंभ होने जा रहा है। सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मीडिया के समक्ष सभी दलों से कार्यवाही को सुचारु चलाने की अपील करते हुए अपना वक्तव्य देंगे। मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा में ‘फादर अमीर’ के नाम से जाने जाने वाले कर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी को श्रद्धांजली दी जाएगी। लोकसभा की कार्यसूची के अनुसार छह पूर्व सदस्यों सहित उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू तीन देशों की यात्रा के पहले चरण के लिए माल्दोवा रवाना

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को अपने सात दिवसीय तीन देशों के राजकीय दौर के पहले चरण के लिए माल्दोवा रवाना हो गईं। वह 19 और 20 जुलाई को माल्दोवा की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। यह किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की माल्दोवा की पहली यात्रा होगी।

माल्दोवा यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू अपनी समक्ष राष्ट्रपति मैया सैडू के साथ दिव्यक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी तथा माल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रासु से भी मुलाकात करेंगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू 19 से 25 जुलाई तक माल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। उन्होंने कहा कि यह भारत के किसी राष्ट्रपति की माल्दोवा और उत्तर मैसेडोनिया की पहली राजकीय यात्रा है, जबकि

रोमानिया की राष्ट्रपति स्तर की यात्रा तीन दशक बाद हो रही है। इस दौर से तीनों देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

माल्दोवा यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू और राष्ट्रपति मैया सैडू के बीच विभिन्न दिव्यक्षीय मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों देशों के बीच कृषि, स्वास्थ्य सेवा, औषधि उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। विदेश मंत्रालय का कहना है कि इन क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच परस्पर लाभकारी साझेदारी की व्यापक संभावनाएं हैं।

माल्दोवा यात्रा के बाद राष्ट्रपति मुर्मू 21 और 22 जुलाई को उत्तर मैसेडोनिया जाएंगी। यह भी किसी भारतीय राष्ट्रपति की इस देश की पहली राजकीय यात्रा होगी। वहां वह राष्ट्रपति गोर्डाना सिलिजानोव्सका-दावकोवा के साथ दिव्यक्षीय वार्ता करेंगी।

नौ मौतों के बाद प्रशासन सख्त: अवैध पटाखा फैक्ट्री द्वाइई, एसआईटी करेगी जांच

अहमदाबाद, 19 जुलाई (हि.स.)। अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके के रामोल थाना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में 9 लोगों की मौत के बाद प्रशासन हकत में आ गया है। हदसे के 24 घंटे के भीतर ही अवैध फैक्ट्री पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया गया। इसके अलावा आसपास बिना लाइसेंस संचालित दो अन्य पटाखा फैक्ट्रियों को भी सील कर दिया गया है।

इस हदसे की जांच के लिए अहमदाबाद पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया है। हालांकि, इस टीम में केवल पुलिस अधिकारियों को ही शामिल किया गया है। फायर विभाग, अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी), एस्टेट विभाग, जिला प्रशासन और बिजली विभाग के किसी भी अधिकारी को जांच दल का सदस्य नहीं बनाया गया है, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

वस्त्राल गांव की सीमा में तीन शेड बनाकर अवैध रूप से पटाखों का निर्माण किया जा रहा था। विस्फोट के बाद प्रशासन ने जेसीबी की मदद से पूरे परिसर को ध्वस्त कर दिया और सभी अस्थायी शेडों को हटवा दिया।

एसआईटी में शामिल अधिकारी



मयूर पाटिल - पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), जोन-8

वाई. ए. गोहिल - सहायक पुलिस आयुक्त (एसपी), एस डिवीजन वी. डी. मोरी - पुलिस निरीक्षक (पीआई), रामोल पुलिस स्टेशन गौरतलब है कि जिस रामोल थाना क्षेत्र में पिछले 20-25 दिनों से अवैध फैक्ट्री संचालित हो रही थी, उसी क्षेत्र के पीआई, एसपी और डीसीपी को जांच की जिम्मेदारी सौंप जाने पर भी सवाल उठ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मामले में फायर विभाग, नगर निगम, जिला प्रशासन और बिजली विभाग की भूमिका की भी जांच आवश्यक है, लेकिन फिलहाल इन विभागों के अधिकारियों को केवल समन्वय करने के निर्देश दिए गए हैं, उन्हें एसआईटी का हिस्सा नहीं बनाया गया है।

नशे के खिलाफ सड़क पर उतरी यातायात पुलिस, चालकों और आमजन को दिलाई शपथ



- दीपेन्द्र बोहरे -

भिण्ड। स्थानीय यातायात पुलिस द्वारा रविवार को नशे के बढ़ते चलन पर अंकुश लगाने और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान चलाया गया। इस विशेष अभियान के तहत यातायात प्रभारी राघवेंद्र भार्गव के नेतृत्व ने शहर के सार्वजनिक परिवहन साधनों पर फोकस करते हुए एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

अभियान के दौरान पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा उपलब्ध कराए गए विशेष प्रारूप के अनुसार तैयार किए गए स्टिकर और पैम्पलेट सार्वजनिक



वाहनों पर चस्पा किए गए। यातायात पुलिस की टीमों ने शहर में चलने वाले ऑटोरिक्षा, टमटम, अन्य सार्वजनिक परिवहन वाहनों के साथ-साथ पुलिस के शासकीय वाहनों के आगे और पीछे इन जागरूकता स्टिकरों को लगाया, ताकि सड़कों पर चलेने वाले हर नागरिक तक यह संदेश पहुंच सके।

चालकों को दिलाई शपथ, दी समझाझ

कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस ने टमटम व ऑटो रिक्शा चालकों सहित आम जनता को एक स्थान पर एकत्रित किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को नशे के गंभीर दुष्परिणामों और इसके

युवक फांसी पर झूला, कमरे में लटकी मिली लाश

निज संवाददाता

भिण्ड। दबोह थाना क्षेत्र के परेछ गांव में एक 22 वर्षीय युवक ने रविवार को दोपहर करीब दो बजे अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के मुताबिक दीपक दौहरे पुत्र शिवदयाल दौहरे ने स्वयं को अपने कमरे में बंद कर लिया। परिजनों ने बताया कि जब काफी देर तक दीपक कमरे से बाहर नहीं आया, तो उन्होंने दरवाजा खोलने का प्रयास किया। दरवाजा न खुलने पर रोशनदान से झाँककर देखा तो दीपक साड़ी के फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना दबोह पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद कमरे का दरवाजा खोला। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए लहर भिजवाया। थाना पुलिस ने मगं कायम कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

भिंड जिले के गोर्मी क्षेत्र में तार चोरी की घटनाएं फिर बढ़ी अज्ञात चोरों ने 11 केवी लाइन के काटे तार द्यूबेल वालों में दहशत

अशोक सिंह नरवरिया

गोर्मी थाना अंतर्गत बरकापुरा सुकांड गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने विद्युत विभाग को हजारों रुपए का चूना लगा दिया चोरों ने 11 वी लाइन के दो पोलो से तार काट लिए जानकारी के अनुसार चोरों ने श्री लाल बहादुर जाटव के ट्यूबेल के लिए गई लाइन को निशाना बनाया रात के अंधेरे में चोरों ने तार काट लिए और फरार हो गए जब लोग सुबह जागे तब उनको इस घटना की जानकारी हुई इस तरह तार की चोरी की घटनाएं गोर्मी क्षेत्र में पहले भी हो चुकी हैं।



अशोक सोनी को मिली बड़ी जिम्मेदारी, अखिल भारतीय स्वर्णकार समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी बने

निज संवाददाता

ग्वालियर। दैनिक सच टाइम्स के ग्वालियर ब्यूरो चीफ अशोक सोनी को अखिल भारतीय स्वर्णकार समाज एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। समाज और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अशोक सोनी की कार्यशैली और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें %प्रदेश मीडिया प्रभारी% नियुक्त किया है।



इस नियुक्ति के बाद से ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। इस अवसर पर अनेक पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और व्यावसायिक संगठनों के पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सक्रियता से संगठन की गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी और समाज की आवाज मजबूती से जनता

तक पहुंचेगी। अशोक सोनी ने इस सम्मान के लिए संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उनके प्रदेश मीडिया प्रभारी बनने पर पत्रकार जगत और स्वर्णकार समाज में खुशी की लहर है।

सुरपुरा पुलिस ने दुष्कर्म के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

निज संवाददाता / भिण्ड। सुरपुरा थाना पुलिस ने महिला के साथ दुष्कर्म करने एवं जान से मारने की धमकी देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार गत 15 जुलाई को परियादिया ने सुरपुरा थाने में आरोपीपण के विरुद्ध गाड़ी में जबरदस्ती दुष्कर्म करने तथा जान से मारने की धमकी देने के संबंध में शिकायत की थी। जिस पर से अपराध क्र.28/2026 धारा 64(1), 70(1), 351(3) वीएफएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन तथा एसडीओपी अटैर रविन्द्र वास्करे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुरपुरा अरविन्द सिंह सिकरवार के नेतृत्व में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी हेतु टीम गठित की गई। सुरपुरा पुलिस ने मुखबिर तंत्र व सायबर सेल की मदद से प्रकरण के आरोपियों के निवास स्थान एवं छिपने वाले संभावित स्थानों पर दक्षिण दि और शनिवार को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक मास्किट सुजुकी फ़ोक्स कार जब्त की है। आरोपियों को न्यायालय पेश किया जा रहा है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अरविन्द सिंह सिकरवार, प्रधान आरक्षक केशव यादव, राजवीर सिंह, आशीष यादव, आरक्षक सुदीप सिंह तोमर, अभिषेक यादव, केशव देव, धर्मेन्द्र तोमर, अलकेश यादव, कुलदीप सिंह, अभिषेक राजावत, राहुल यादव, आनंद दीक्षित सायबर सेल भिण्ड की सहायनी भूमिका रही।



देहात पुलिस ने बस स्टैण्ड पर चलाया नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान

निज संवाददाता

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल एवं सीएसपी निरंजन सिंह राजपूत के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी देहात निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत के नेतृत्व में पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी' नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत रविवार को भिण्ड बस स्टैण्ड पर व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, नशे की रोकथाम हेतु जनसहभागिता को बढ़ावा देना तथा स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। कार्यक्रम के दौरान बस स्टैण्ड पर उपस्थित बड़ी संख्या में आम नागरिकों, यात्रियों एवं युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

उपनिरीक्षक विजय शिवहरे ने उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इसके साथ ही यह परिवार की खुशहाली,



सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र के विकास में भी बाधक बनता है। उन्होंने बताया कि नशे की प्रवृत्ति से अपराध, सड़क दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा, आर्थिक संकट तथा सामाजिक विघटन जैसी अनेक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों से अपील की गई कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों एवं नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति

गुप्ता ने अकोड़ा सीएमओ का संभाला पदभार

दीपेन्द्र बोहरे -

भिण्ड। नगर परिषद अकोड़ा में प्रशासनिक फेनबदल के तहत संजीव गुप्ता को नया मुख्य नगर पालिका अधिकारी नियुक्त किया गया है। शासन द्वारा इसके आधिकारिक आदेश जारी होने के बाद उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इस नियुक्ति से उनके शुभचिंतकों और स्थानीय नागरिकों में भारी हर्ष का माहौल है। प्रवृद्धजनों का मानना है कि संजीव गुप्ता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनके पूर्व के उत्कृष्ट कार्यों, कठोर परिश्रम, लगन और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतिफल के रूप में मिली है। शासन ने उनकी प्रशासनिक क्षमता पर भरोसा जताते हुए उन्हें अकोड़ा की कमान



सौंपी है। **मिलेगी विकास को गति**

पदभार ग्रहण करते ही नव नियुक्त सीएमओ को बधाई देने वालों का तांता लग गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि उनके कुशल नेतृत्व में अकोड़ा नगर परिषद विकास के नए आयाम छुएगी। क्षेत्र में स्वच्छता, सौंदर्यकरण और बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार होगा। इनका कहना है-

नगर का सर्वांगीण विकास और आम जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

-संजीव गुप्ता, सीएमओ अकोड़ा।

महिला थाना प्रभारी ने नशे से दूरी है जरूरी कार्यक्रम में बच्चों को दी जीवनशैली की सीख

निज संवाददाता

भिण्ड। महिला थाना प्रभारी वंदना शाक्य के नेतृत्व में श्रीजी कोचिंग सेंटर एवं ज्योथिमय गुरु ऑफ स्कूल में रविवार को 'नशे से दूरी है जरूरी' विषय पर नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति चेतना बढ़ाना और सही मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय और कोचिंग प्रबंधन की ओर से स्वागत और संचालन के साथ हुआ। सौ से अधिक विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

महिला थाना प्रभारी वंदना शाक्य ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने बताया कि समय रहते सही निर्णय और सकारात्मक रुचियों के माध्यम से युवा जीवन को नशे की गिरफ्त से बचाया जा सकता है। उन्होंने



वास्तविक जीवन के उदाहरण और स्थानीय मामलों का हवाला देते हुए बताया कि किस प्रकार नशे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं और कैसे समाज की तत्परता से पुनरावास व मार्गदर्शन संभव है। उन्होंने कानूनी निहित अवस्थाओं, नशा मुक्ति केन्द्रों के संसाधनों और पुलिस सहायता

सेवाओं की जानकारी भी दी। अंत में उन्होंने नशे से दूरी बनाने की शपथ दिलाई तथा विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने साथियों और परिवार को भी इस संदेश से जोड़ें और किसी भी समस्या के समय नजदीकी थाना या नशा मुक्ति केन्द्र से संपर्क करें।

भारतीय युवा शक्ति संगठन ने प्रेस वार्ता में उठाए जनहिित के मुद्दे

निज संवाददाता

भिण्ड। भारतीय युवा शक्ति संगठन ने पत्रकार वार्ता में जिले से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों को साक्ष्यों सहित उठाया। संगठन प्रदेश अध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा (नंदू भैया) एवं डॉक्टर युगल चूडावत वरिष्ठ प्रदेश सचिव ने प्रशासन से पारदर्शी एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए निम्न बिंदुओं पर अपना पक्ष रखा।



उन्होंने बताया कि भिण्ड कलेक्टर कार्यालय में स्टेनो पद पर कार्यरत राजकुमार गुप्ता को उनके मूल विभाग में भेजने तथा उक्त पद पर वरिष्ठ राजस्व कर्मचारी की नियुक्ति की जाए। साथ ही विधानसभा प्रश्न क्र.2871 से संबंधित प्रकरण में गलत जानकारी भेजे जाने की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। जिला अस्पताल में अट्रॉसाउड एवं रेडियोलॉजी सेवाओं में कथित लापरवाही के कारण हुई मृत्यु के मामले में जांच दल की रिपोर्ट सार्वजनिक करने तथा दोषी डॉक्टरों एवं संबंधित स्टाफ पर की गई कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जाए। नेशनल हाईवे-719 मालनपुर-बरेंठा टोल प्लाजा पर वार्षिक पास धारकों से भी जबरन टोल वसूली, फास्टैग का उपयोग न करना, यूपीआई भुगतान के लिए बाध्य करना तथा टोल कर्मचारियों की कथित अभद्रता और

गुंडगर्दी पर तत्काल रोक लगाने एवं संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। चंबल पुल (अटैर) का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर आम नागरिकों एवं व्यापारियों के आवागमन में आ रही समस्याओं का स्थाई समाधान किया जाए। शिक्षा विभाग में निजी विद्यालयों की कथित कमीशनखोरी एवं निर्धारित दरों से अधिक मूल्य पर किताबें बेचने के मामलों पर जिला शिक्षा अधिकारी की भूमिका की निष्पक्ष जांच की जाए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले निजी विद्यालयों को मान्यता निरस्त करने तथा आवश्यक होने पर संबंधित विधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने भिण्ड नगर निगम के नाम पर शुल्क वसूले जाने के बावजूद नगर निगम की मूलभूत व्यवस्थाएं एवं अभिलेख व्यवस्थित न होने पर गंभीर सवाल उठाए। संगठन ने इस पूरे मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति जनता के सामने लाने की मांग की। भारतीय युवा शक्ति संगठन ने कहा कि इन सभी मुद्दों पर संबंधित दस्तावेज एवं साक्ष्य पत्रकारों के समक्ष प्रस्तुत किए गए तथा पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि जनहित के इन मामलों पर शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई तो हाईकोर्ट की शरण में जाएंगे।

कुनो चीता प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार का धमाका, प्रधानमंत्री का प्रिय प्रोजेक्ट बन गया ‘बकरा घोटाला’?

700 रुपये का मीट 421 रुपये में कैसे?

निज संवाददाता
श्योपुर। देश के प्रधानमंत्री के महत्वाकांक्षी %प्रोजेक्ट चीता% के तहत कुनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों को जंगली बनाए जाने का सपना देखा जा रहा है, लेकिन राष्ट्रीय समाचार पत्र दैनिक श्योपुर एक्सप्रेस के माध्यम से उठाए गए सवालों ने पूरे प्रोजेक्ट पर सवालिया निशान लगा दिया है। मोहम्मद चीनी कुरैशी ने 22 सितंबर 2022 से 30 जून 2026 तक की अवधि में बकरों की खरीद, तैल, गुणवत्ता, टेंडर और निरीक्षण में कथित अनियमितताओं को लेकर तीखे सवालों पूछे हैं। इन सवालों के जवाब अगर सही मिले तो कुनो का %चीता सपना% भ्रष्टाचार और लापरवाही का %बकरा कांड% साबित हो सकता है।

रोज एक बकरा, लेकिन तैल और हिसाब कहाँ?
कुरैशी ने पूछा है कि प्रतिदिन कितने किलोग्राम बकरा या पाड़ा खरीदा गया? डीक्टर ऊँकार अंचल, देवेश माहौर (परिक्षेत्र सहायक मेधपुरा) और धर्मेन्द्र तोमर (परिक्षेत्र सहायक पेरा) द्वारा की गई तैल की प्रतिदिन की जानकारी और वन परिक्षेत्र अधिकारी पालपुरा परिचम को प्रस्तुत रिपोर्ट्स सार्वजनिक की जाए।

सवाल यह है कि इतने सालों में हजारों बकरों की खरीद हुई, लेकिन क्या वजन सही तौला गया?

क्या बिल बिना निरीक्षण के पास हो गए?
यशबंधु वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा प्रतिदिन बकरा कितने किलो के हिसाब से बिल बनाया गया और उपवनाधिकारी कुनो दक्षिण पोहरी ने बिना जांच के हस्ताक्षर क्यों किए?

वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक के सभी बिल और निरीक्षण रिपोर्ट्स जनता के सामने लाए जाएं।

टेंडर में घोटाले की बात?
क्र.4 और क्र.6 में कुरैशी ने टेंडर प्रक्रिया पर हमला बोला है। वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक हुए टेंडर की राशि, स्वीकृति प्रतियाँ और शर्तें सार्वजनिक करें। खासतौर पर बिना टेंडर के किन तारीखों से कितनी राशि पर बकरा और पाड़ा खरीदा गया?

सबसे धमाकेदार सवाल क्र.7 में है। 2024-25 में सलपार ने बकरा 699/-, फिर 499/- और अब मात्र 421/- रुपये प्रति किलो का टेंडर प्रस्तुत किया, जिसे विभाग ने स्वीकार कर लिया। लेकिन श्योपुर शहर में बाजार में बकरे का मीट 700 रुपये प्रति



किलो बिक रहा है। फिर सलपार विभाग को 421 रुपये में मीट कैसे दे रहा है?

इसके ऊपर विभाग 26वें राशि काट भी रहा है। क्या सलपार घाटे में बिजनेस कर रहा है या पहले अधिक राशि वसूल की गई और अब कम दिखाकर घोटाला छिपाया जा रहा है?

क्या गुणवत्ता वाली मीट दी जा रही है या सस्ता, घटिया मांस चीतों को खिलाया जा रहा है?

निरीक्षण सिर्फ कागजों पर?
क्र.3 में पूछा गया है कि विश्वस्तरीय चीता परियोजना में मीट सलपारस द्वारा दी जाने वाली मीट की गुणवत्ता और वजन की जांच श्री अमृतांशु सिंह (उपवनमंडल अधिकारी कुनो दक्षिण पोहरी) माह में कितनी बार करते हैं?

कुनो वनमंडल को भेजी गई उनकी निरीक्षण रिपोर्ट्स की प्रतियाँ उपलब्ध कराई जाएं।

क्या सच में माह में एक-दो बार भी सख्त निरीक्षण होता है या सब कुछ कागजी खानापूर्ति है?

जनता के पैसे का हथ्र
प्रधानमंत्री के प्रिय प्रोजेक्ट में जनता का पैसा कहाँ-कहाँ और कैसे खर्च हो रहा है, इसका सटीक हिसाब मिलना चाहिए।

मोहम्मद चीनी कुरैशी के इन सवालों ने कुनो प्रोजेक्ट को नई

बहस में डाल दिया है। क्या विभाग इन सवालों के सटीक, दस्तावेजी जवाब देगा?

या फिर फाइलें घुमाकर, सूचना का अधिकार रोककर, या %प्रोजेक्ट संवेदनशील है% कहकर मामले को दबा दिया जाएगा?

देश की जनता जानना चाहती है
कुनो में चीतों के नाम पर बकरों का %घोटाला% तो नहीं चल रहा? प्रधानमंत्री का सपना सफल बनाने के नाम पर टेंडर में हेराफेरी, बिना तैल के बिल, घटिया मीट और लापरवाही बदरश्त नहीं की जा सकती।

वन विभाग, कुनो प्रशासन और केंद्र सरकार को तुरंत पारदर्शी जांच कर जवाब देना चाहिए। वरना %चीता प्रोजेक्ट% का %बकरा कांड% पूरे देश में चर्चा का विषय बन जाएगा।

सच सामने आना चाहिए - जनता का पैसा, जनता का अधिकार।

(संदर्भ- दैनिक श्योपुर एक्सप्रेस में प्रकाशित मोहम्मद चीनी कुरैशी के सवाल।)

यह समाचार पढ़कर हर नागरिक सोचेगा - विकास के नाम पर कितना कुछ छिपाया जा रहा है? कुनो चीता प्रोजेक्ट की सच्चाई अब खुले में आ चुकी है।

नोट - उपरोक्त समाचार मोहम्मद चीनी कुरैशी द्वारा दैनिक श्योपुर एक्सप्रेस में उठाए गए सवालों पर आधारित है। इन सवालों में कुनो राष्ट्रीय उद्यान के चीता प्रोजेक्ट में बकरा/पाड़ा खरीद, तैल, टेंडर प्रक्रिया, मीट की गुणवत्ता, निरीक्षण और भुगतान संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी मांगी गई है।

यह समाचार जनहित में सूचना प्रसारित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसमें लगाए गए सभी आरोपों की जांच संबंधित विभाग द्वारा साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी। दोनों पक्षों की बात सुनी जाएगी और सच्चाई सामने आने के बाद ही अंतिम निष्कर्ष निकाला जाएगा।

दैनिक श्योपुर एक्सप्रेस जांच निष्कर्ष समाचार को प्रमुखता से प्रकाशित करेगा और आगे की खबरों, विभागीय जवाब व जांच रिपोर्ट पर भी नजर रखेगा। जनता को सही एवं पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराना हमारा दायित्व है।

जांच की मांग पूर्ण पारदर्शिता के साथ।

9 वर्षीय धैर्या साहू ने 54वीं म.प्र. राज्य तैराकी प्रतियोगिता 2026 में जीते पाँच पदक, ग्वालियर का बढ़ाया मान



सुमित साहू
ग्वालियर / मध्य प्रदेश-ग्वालियर की होनहार 9 वर्षीय तैराक धैर्या साहू ने 54वीं मध्य प्रदेश राज्य तैराकी प्रतियोगिता 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-10 बालिका वर्ग में कुल 5 पदक जीतकर ग्वालियर और मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया।

धैर्या ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए निम्नलिखित पदक अपने नाम किए-

- स्वर्ण पदक - 100 मीटर फ्रीस्टाइल
- रजत पदक - 200 मीटर फ्रीस्टाइल
- रजत पदक - 100 मीटर बटरफ्लाइ
- कांस्य पदक - रिले स्पर्धा

कांस्य पदक - मेडले रिले स्पर्धा

महज 9 वर्ष की आयु में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पाँच पदक जीतना धैर्या की कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन का परिणाम है। उनकी इस शानदार सफलता में उनके कोच श्री विनोद जाटव का विशेष योगदान रहा है। उनके



कुशल मार्गदर्शन, तकनीकी प्रशिक्षण और निरंतर प्रेरणा ने धैर्या को इस मुकाम तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कोच श्री विनोद जाटव ने धैर्या की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि धैर्या एक प्रतिभाशाली और मेहनती खिलाड़ी हैं। यदि उन्हें इसी प्रकार प्रशिक्षण और अवसर मिलते रहे, तो वे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश एवं भारत का प्रतिनिधित्व कर सकती हैं।

धैर्या के परिवार ने इस उपलब्धि का श्रेय कोच श्री विनोद जाटव, उनके साथियों तथा सभी शुभचिंतकों को दिया, जिन्होंने हर कदम पर उनका उत्साहवर्धन किया।

एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदकों के साथ धैर्या साहू ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा, कठिन परिश्रम और सही मार्गदर्शन के बल पर कम उम्र में भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। उनकी इस सफलता से ग्वालियर और मध्य प्रदेश को गौरव प्राप्त हुआ है तथा वे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी

3 माह से फेल पड़ा सीवर, गंदगी और बदबू से वार्डवासी परेशान; पार्षद बोले- शिकायतों के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

निज संवाददाता
शिवपुरी शहर के वार्ड क्रमांक 4 में सीवर की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। न्यू ब्लॉक जवाहर गंज क्षेत्र में पिछले तीन माह से एक सीवर ओवरफ्लो होने के कारण सड़क पर गंदा पानी और सीवर का मलवा फैला हुआ है। इससे क्षेत्र में बदबू फैल रही है और लोगों का आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। आज रविवार की दोपहर 12 बजे स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया।



सड़क पर फैली गंदगी और बदबू के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी खराब हो गई है, क्योंकि गंदा पानी सड़क पर फैलकर लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है।

वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद संजय गुप्ता का कहना है कि पिछले तीन माह से लगातार सीवर ओवरफ्लो हो रहा है।

अब बारिश के कारण वार्ड के अन्य सीवर भी फेल होने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समस्या को लेकर पीएचई विभाग और नगर पालिका में कई बार शिकायत की गई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। इतना ही नहीं, सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई गई, इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

निज संवाददाता
शिवपुरी जिले के बैराड थाना पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिलें और झपटमारी में छीना गया सोने का मंगलसूत्र व पेंडल बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बाइक चोरी के वारदात भी कबूल की है। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 1.10 लाख रुपए बताई गई है।

बैराड थाना प्रभारी सुरेश शर्मा के अनुसार 18 जुलाई को जरियाकला निवासी प्रेम सिंह जाटव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 जुलाई की सुबह धन अपने दोस्त मनोज जाटव के साथ बैराज माता मंदिर गया था। मंदिर के बाहर खड़ी उसकी हीरो एचएफ डीलक्स (एमपी-33 एमएस-6308) अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। बाइक की कीमत करीब 90 हजार रुपए बताई गई।



मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने भौराना तिरहरे के पास से किशन नामदेव (22) निवासी बस स्टैंड के पीछे, बैराड को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बैराज माता मंदिर के बाहर से बाइक चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस चोरी की बाइक बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे जेल

श्योपुर को मिला नया एसपी, आईपीएस मोती उर रहमान संभालेंगे जिले की कमान

निज संवाददाता
श्योपुर। मोती उर रहमान अब श्योपुर जिले के नए पुलिस अधीक्षक बनकर आ रहे हैं। गृह विभाग के ताजा तबादला आदेशों के तहत उन्हें श्योपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इससे पहले मोतीउर रहमान 9वीं वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ), रोवा में सेनानी (कमांडेंट) के पद पर तैनात थे। अब वे श्योपुर में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और समग्र पुलिसिंग को नई दिशा देंगे।

श्योपुर जिले में उनका आगमन नई उम्मीद जगाने वाला माना जा रहा है।

प्रदेश सरकार के इस प्रशासनिक बदलाव को पुलिस व्यवस्था को और चुस्त-दुरुस्त बनाने की दिशा में अहम कदम बताया जा रहा है। अब सभी की निगाहें नए एसपी मोती उर रहमान पर टिकी हैं। देखना होगा कि वे श्योपुर को कितनी मजबूती से संभालते हैं।



श्योपुर पुलिस को नया जोश, नई उम्मीद

पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

सुमित साहू
ग्वालियर / कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा रविवार को कैसर पहाड़ी स्थित श्री चित्रकूट धाम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अनेक फलदार एवं औषधीय गुणों वाले पौधे लगाने के साथ ही संस्था द्वारा उनके समुचित रख-रखाव का संकल्प भी लिया गया।

संस्था सचिव कंचन राव ने बताया कि वृक्षारोपण का यह कार्यक्रम समूचे वर्षाकाल में अनवरत जारी रहेगा। संस्था न सिर्फ वृक्षारोपण करेगी, बल्कि पौधों के बड़े होने तक उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी निभाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से संस्था न केवल अपने गठन के उद्देश्यों को पूरा करती है, बल्कि प्रत्येक सदस्य शहर का प्रबुद्ध नागरिक होने के नाते शहर के प्रति अपने कर्तव्यों का भी निर्वहन करता है।



इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य जन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट अशोक शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. एम. एल. शर्मा उपस्थित थे। इनके साथ ही संस्था के संयुक्त

अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, सचिव कंचन राव, संगठन मंत्री जगदीश उपाध्याय, संचालक हेमलता राव, उपाध्यक्ष दीपक शर्मा, ऋषि जैन, सहसचिव पुष्पा मिश्रा, विशाल शर्मा, ऋषभ जैन, आनंद मिश्रा, दीपक चौधरी, लोकेश गुप्ता, चंद्रप्रकाश सिंह राजावत, तरुण वर्मा, उषेंद्र सिंह राजावत, गौरव बघेल और तन्मय तोमर सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नया सामुदायिक भवन, रेणु गर्ग और शशांक भूषण ने किया लोकार्पण



निज संवाददाता
श्योपुर। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शशांक भूषण जी द्वारा वार्ड क्रमांक 01 किले में सोनेश्वर महादेव मंदिर पर नगर पालिका श्योपुर एवं जन सहयोग से बनाए गए सामुदायिक भवन का

लोकार्पण किया

इस अवसर पर नया उपाध्यक्ष संजय महाना, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नरेंद्र कुमार जाटव वार्ड क्रमांक 01 की पार्षद श्रीमती आहिस्ता राजा खान, पार्षद राजेंद्र मित्तल व सोनेश्वर महादेव मंडल के पदाधिकारी एवं श्रद्धालु गण उपस्थित थे।

चोरी की बाइक बरामद, पूछताछ में खुला झपटमारी का राज: बैराड पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

रही थी। इसी दौरान दुल्हारा और झलवासा के बीच बाइक सवार दो बदमाश उसकें गले से सोने का मंगलसूत्र और पेंडल (पुतरीया) छीनकर फरार हो गए थे।

चोरी की बाइक के मामले में गिरफ्तार किशन नामदेव से पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि उसने अपने साथी लल्लू नामदेव के साथ कोतवाली क्षेत्र से एक हीरो मोटरसाइकिल चोरी की थी। उसी बाइक का इस्तेमाल कर दोनों ने झलवासा के पास महिला से मंगलसूत्र और पेंडल झपट लिया था। आरोपी ने बताया कि झपटा गया जेवर उसने बिक्री के लिए अपने घर में छिपाकर रखा था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 20 हजार रुपए कीमत का सोने का मंगलसूत्र और पेंडल बरामद कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपी लल्लू नामदेव की तलाश कर रही है।

संपादकीय

क्रांति का प्रथम शंखनाद : अमर बलिदानी मंगल पांडे 1857 की क्रांति के अग्रदूत और भारतीय स्वाधीनता चेतना के प्रथम महानायक

— डॉ. भूपेंद्र कुमार सुल्तरे

-जिसने प्रथम हुंकार भरी, वह मंगल का अवतार था, जिसने सोई चेतना जगाई, वह भारत का श्रृंगार था। फांसी का फंदा चूम लिया, पर झुका नहीं स्वाभिमान, मंगल पांडे अमर रहेंगे, जब तक जीवित हिंदुस्तान।-

भारत का स्वतंत्रता संग्राम किसी एक घटना या एक दिन का परिणाम नहीं था। यह उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों के त्याग, तप और बलिदान का इतिहास है, जिन्होंने अपनी मातृभूमि को विदेशी दासता से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। इन अमर बलिदानियों में सबसे अग्रणी और प्रेरणास्पद नाम है मंगल पांडे का, जिन्हें 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने अंग्रेजी शासन की अन्यायपूर्ण नीतियों के विरुद्ध को प्रथम क्रांतिकारी शंखनाद किया, उसने आगे चलकर पूरे भारत में स्वतंत्रता की ऐसी ज्वाला प्रज्वलित की जिसने अंततः 1947 में देश को स्वतंत्रता दिलाई।

19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नवावा गांव में एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे मंगल पांडे बचपन से ही स्वाभिमानी, धार्मिक और निर्भीक स्वभाव के थे। उनके व्यक्तित्व में भारतीय संस्कृति, धर्म और राष्ट्रप्रेम की गहरी छाप थी। युवावस्था में वे ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना की 34वीं बंगाल रेजिंट इम्फैट्री में भर्ती हुए। सेना में रहते हुए उन्होंने अंग्रेज अधिकारियों द्वारा भारतीय सैनिकों के साथ किए जाने वाले भेदभाव, अपमान और शोषण को निकट से देखा। भारतीय सैनिकों को न केवल कम सम्मान मिलता था, बल्कि उनके धार्मिक विश्वासों और सांस्कृतिक परंपराओं की भी उन्हेखा की जाती थी।

उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य तक अंग्रेजी शासन के प्रति असंतोष पूरे भारत में फैल चुका था। किसानों पर अत्यधिक कर, भारतीय रियासतों का विलय, सामाजिक और धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप तथा आर्थिक शोषण ने जनता में आक्रोश पैदा कर दिया था। इसी समय अंग्रेजों ने सेना में एमफीरुड राइफल का प्रयोग शुरू किया। इन राइफलों के कारतूसों के बारे में यह बात फैल गई कि उन पर गाय और सूअर की चर्बी लगी होती है तथा उन्हें उपयोग करने से पहले दांतों से काटना पड़ता है। यह हिंदू और मुस्लिम दोनों सैनिकों की धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध था। अंग्रेज अधिकारियों ने भारतीय सैनिकों की चिंताओं को गंभीरता से लेने के बजाय उन्हें दबावे का प्रयास किया।

29 मार्च 1857 का दिन भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। बैरकपुर छ्बनो में मंगल पांडे ने अंग्रेज अधिकारी के विरुद्ध खुला विद्रोह कर दिया। उन्होंने अपने साथियों से विदेशी शासन के विरुद्ध उठ खड़े होने का आह्वान किया। यद्यपि तत्काल सभी सैनिक उनका साथ नहीं दे सके, फिर भी उनकी यह कार्यवाही अंग्रेजी सत्ता की नींव को हिलाने वाली सिद्ध हुई। यह केवल एक सैनिक का विद्रोह नहीं था, बल्कि भारतीय आत्मसम्मान और राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष था।

विद्रोह के बाद अंग्रेज सरकार ने मंगल पांडे को गिरफ्तार कर सैन्य न्यायालय में प्रस्तुत किया। उन्हें मृत्युदंड दिया गया और 8 अप्रैल 1857 को फांसी पर चढ़ा दिया गया। अंग्रेजों को लगा कि एक सैनिक को फांसी देकर विद्रोह की चिंगारी बुझ जाएगी, लेकिन हुआ इस्का ठीक उल्टा। मंगल पांडे का बलिदान पूरे देश में क्रांति का संदेश बन गया। कुछ ही सप्ताह बाद मेरठ से व्यापक विद्रोह प्रारंभ हुआ और देखते ही देखते दिल्ली, कानपुर, झांसी, लखनऊ, प्यालियार तथा अनेक क्षेत्रों में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष फैल गया। इस प्रकार मंगल पांडे स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम महानायक के रूप में भारतीय इतिहास में अमर हो गए।

ब्रिटिश इतिहासकारों ने लंबे समय तक 1857 की घटना को केवल -सिपाही विद्रोह- कहा, किंतु भारतीय इतिहासकारों ने इसे भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम माना। इसमें केवल सैनिक ही नहीं, बल्कि किसान, जमींदार, शासक, महिलाएं और आम नागरिक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। मंगल पांडे ने जिस क्रांति की शुरुआत की, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत विदेशी शासन को स्वीकार करने वाला राष्ट्र नहीं है।

मंगल पांडे का योगदान केवल एक सैनिक विद्रोह तक सीमित नहीं है। वे भारतीय राष्ट्रवाद, आत्मसम्मान और बलिदान के प्रथम महान प्रतीकों में से एक है। उनके साहस ने आगे आने वाले स्वतंत्रता सेनानियों-रानी लक्ष्मीबाई, ताला टोपे, कुंजर सिंह, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और नेताजी सुभाषचंद्र बोस-को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रेरणा दी। उन्होंने यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, बल्कि साहस, त्याग और संघर्ष से प्राप्त होती है।

आज भारत एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक राष्ट्र है, किंतु राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां अभी भी हमारे सामने हैं। भ्रष्टाचार, सामाजिक विभाजन, सांस्कृतिक विस्मृति और राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति उदासीनता जैसी समस्याएं हमें यह स्मरण कराती हैं कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं होती। सच्ची स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है जब नागरिक अपने राष्ट्र, समाज और संस्कृति के प्रति उत्तरदायी हों। मंगल पांडे का जीवन हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, स्वाभिमान को रक्षा करने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा देता है। 19 जुलाई को उनकी जयंती केवल एक महान क्रांतिकारी का स्मरण भर नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रभक्ति, आत्मसम्मान और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति नए संकल्प का अवसर भी है। आज की युवा पीढ़ी यदि मंगल पांडे के साहस, राष्ट्रप्रेम और त्याग से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता और राष्ट्रसेवा को अपनाए, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

-नमन उस वीर सपूत को, जिसने क्रांति का दीप जलाया, भारत माता की आज़ादी का प्रथम उद्घोष सुनाया। जब तक गंगा बहती होगी, जब तक रहेगा हिंदुस्तान, अमर रहेगा वीर मंगल, अमर रहेगा उनका बलिदान।-

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत गोहद पुलिस ने नए बस स्टैंड पर चलाया जागरूकता अभियान



निज संवाददाता / गोहद: पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे ‘नशे से दूरी है जरूरी’ अभियान के तहत गोहद पुलिस द्वारा रविवार को नए बस स्टैंड पर जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने आम नागरिकों, वाहन चालकों और युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार और समाज को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें।

अधिकारियों ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। यदि कहीं भी अवैध मादक पदार्थों की बिक्री या सेवन की जानकारी मिले तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। गोहद पुलिस ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य समाज को नशामुक्त बनाना तथा युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करना है। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने पुलिस की पहल की सराहना करते हुए नशामुक्त समाज बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया।

श्रीकृष्ण को लेकर टिप्पणी और इस्लाम की राजनीतिक आकांक्षाएं

हदयनारायण दीक्षित

सामान्य झुट जब कब चलता ही रहता है, लेकिन इतिहास के तथ्यों को नकारते हुए महाझुट बोलने की ताजी घटना काफ़ी चर्चा में है। मौलाना जर्जिज अंसारी ने झारखंड में एक कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण को पक्का मुसलमान बताया और उन्हें 5 वकत का नमाजी भी बताया। इस टिप्पणी को लेकर एक एफआईआर लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में दर्ज हुई है। इस बयान में महाझुट का सहारा लिया गया है। वीडियो वायरल होने से खबर सब तरफ फैल गई है लेकिन अधिकांश लोगों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

ठीक बात है इस टिप्पणी को गंभीरता से लेने की कोई आवश्यकता भी नहीं। इसी बहने श्रीकृष्ण को पक्का मुसलमान बताने के दावों की तहकीकात व थोड़ी-सी पड़ताल जरूरी है। भारत में इस्लाम आठवीं शताब्दी में मोहम्मद बिन कासिम के हमले के साथ आया। इस्लाम का उदय ही सातवीं शताब्दी में हुआ था। महाभारत युद्ध का काल कम-से-कम तीन हजार साल पुराना है। महाभारत का युद्ध कोरवों और पाण्डवों के बीच लड़ा गया था। युद्ध भूमि में कोरव और पाण्डव आमने-सामने थे। श्रीकृष्ण इस युद्ध में पाण्डवों के पक्षधर होकर प्रकट हुए। उन्होंने युद्ध में हिस्सा नहीं लिया। विषादप्रस्त अर्जुन को तत्वज्ञान, कर्मयोग और राष्ट्रधर्म की शिक्षा दी थी।

श्रीकृष्ण के समय इस्लाम का जन्म भी नहीं हुआ था। मौलाना किस आधार पर उन्हें सच्चा नमाजी बता रहे हैं। इस्लाम की व्याख्या इस आलेख का विषय नहीं है। मौलाना के वक्तव्य से पता चलता है कि उन्होंने गीता का कम-से-कम एक श्लोक पढ़ा है और उसी को आधार बनाकर

श्रीकृष्ण को पक्का मुसलमान बताने की कोशिश की है। इस्लाम की राजनीतिक आकांक्षाएं बड़ी हैं। धर्मांतरण करकर अपनी संख्या बढ़ाना उनके यहां पवित्र माना जाता है। मौलाना ने इसी तर्ज पर श्रीकृष्ण को भी धर्मांतरित कर लिया है। वे खुश हैं कि गीता दर्शन के वक्ता श्रीकृष्ण भी धर्मांतरित किए जा रहे हैं। हिन्दु अपने देवताओं के प्रति सजग आस्था रखते हैं। बहुत संभव है कि कोई और मौलवी श्रीराम और हनुमान को भी पक्का नमाजी बताने लगे। इस दृष्टि से मौलाना का वक्तव्य महत्वपूर्ण है। मौलाना ने अपनी बात के समर्थन में श्रीमद्भगवद्गीता के छठे अध्याय के दसवें श्लोक का हवाला देकर कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण पांचों वकत की नमाज पढ़ते हैं। मूलभूत प्रश्न है कि जब इस्लाम था ही नहीं तब इबादत की बात कहीं से आई।

गीता में कई विचार हैं। भक्ति है। योग है। सन्यास है और प्रत्यक्ष भौतिकवाद भी है लेकिन योगी की प्रतिष्ठा उल्लेखनीय है। श्रीकृष्ण योग साधना की प्रशंसा करते हुए साधना की विधि भी बताते हैं। मौलाना द्वारा इस्तेमाल किए गए छठवें अध्याय के दसवें श्लोक में श्रीकृष्ण योग की विधि बताते हैं। योगी युञ्जीत सततमात्मानं रहसि स्थितः। एकाकी यत्चित्ततामा निराशरपरिहाः ॥ (6.10) बताते हैं, -योगी को एकांत में रहकर स्वयं को एकाग्र करते हुए सतत आत्मवान होना चाहिए। उसे सभी इच्छाओं और संग्रही भाव से मुक्त रहना चाहिए।- (वही 10) यहां योग विज्ञान की सुस्पष्ट झंकी है। मूल श्लोक का ‘सतत’ शब्द ध्यान देने योग्य है। योग अध्यास निरंतर साधना से ही सफल होता है। यहां सततम् का अर्थ गहन निरंतरता है। इसी तरह ‘निराशी’ का अर्थ हरा हुआ निराश व्यक्ति नहीं है। वह योग के प्रति

गहन आशा से परिपूर्ण लेकिन सांसारिक इच्छाओं के प्रति बोधपूर्वक निराश है। आशा बहुमूल्य धारणा है। आशा में स्वयं के प्रति विश्वास होता है, अस्तित्व के प्रति भरोसा रहता है। ईश्वर या परमात्मा की आस्था वाले लोगों की आशा और भी बेहतर होती है, उन्हें परमात्मा पर विश्वास होता है।

गीता में ज्ञान और विज्ञान दोनों का विश्लेषण है। विज्ञान अस्तित्व के गूढ़ नियमों की जानकारी देता है और ज्ञान स्वयं का बोध है। दोनों की सम्यक जानकारी और योग की साधना सांसारिक फलों के प्रति निराशी बनाती है और आत्मबोध के प्रति भरपूर आशा जगाती है। गीता का योग सहज है। सतत आत्मवान होना और निराशी भाव से युक्त होना इसकी सामान्य भूमिका है।

गीता का अधिकांश हिस्सा योग प्रधान है। यहाँ सूक्ष्म विश्लेषण वाला सांख्य दर्शन भी साख्य योग है। भक्ति योग है। कर्मयोग भी है। योग परिपूर्ण विज्ञान है। विज्ञान का कोई पंथ, मत, मजहब नहीं होता। यहाँ भाव और बिना जाने विश्वास का कोई स्थान नहीं होता। दर्शन वैज्ञानिक निकषों का सहयोग लेता है। विज्ञान से आगे निकल जाता है। दर्शन वैज्ञानिक निकषों का सहयोग लेता है। विज्ञान जहाँ विश्रॉत होता है, दर्शन वहीं से कुलांचे भरता है, अज्ञात में भी छलांग लगाता है। विज्ञान और दर्शन में दूरी बनी रहती है। आस्था और तर्क भी साथ-साथ नहीं चलते पर भारतीय द्रष्टा ऋषियों ने कमाल किया है। योग विज्ञान में विज्ञान और दर्शन गलबडियों डालते हैं, साथ-साथ चलते हैं। भारतीय योग अनुभूत दर्शन है और विज्ञान भी है। यह परिपूर्ण व्यवहार शास्त्र है। यहाँ अनुभव का विज्ञान है और अनुभूति का दर्शन है। यहाँ राग विराग और मायामोह के अवसर नहीं हैं, जानो,

करो, देखो, समझो। योग प्रत्यक्ष दर्शन है।

योग आनंद का विज्ञान है। दुख और तनाव सम्पूर्ण विश्व की समस्या है। मनुष्य चित्त रहस्यपूर्ण संरचना है। यह द्रव्य नहीं है, वरना विज्ञान की पकड़ में आ जाता। यह मनुष्य शरीर का सूक्ष्मतम मगर अदृश्य हिस्सा है। मन ही सुख और दुख के अनुभव करता है। यूरोपीय दृष्टि में दुख का कारण आर्थिक अभाव है। भोग सुख है, ज्यादा भोग ज्यादा सुख है। भारतीय दर्शन में दुख का कारण अविद्या अज्ञान हैं। भोग सुख नहीं देते, ज्यादा भोग और ज्यादा लोभ देते हैं। लोभ में बाधा से क्रोध आता है। क्रोध बुद्धिनाशी है। बुद्धिनाश से स्मृतिक्षय होती है। मनुष्य तनावग्रस्त होता है। गीता सुख-दुख मुक्त जीवन दर्शन देती है। गीता का योग-दर्शन अनूत है।

मौलाना को मलाल होगा कि इस्लामी इतिहास में श्रीकृष्ण जैसा नायक नहीं है। हो भी नहीं सकता था। देवता सभी सभ्यताओं में हैं लेकिन ज्यादातर देवता उदास हैं। श्रीकृष्ण नाचते देवता हैं। युद्धभूमि में जाते हैं लेकिन युद्ध में हिस्सा नहीं लेते। मित्र अर्जुन का विषाद प्रसाद बनाते हैं।

भारत में योग की हजारों विधियां थीं। पतंजलि के योग सूत्रों में योग विज्ञान का दर्शन है। गीता में योग साधना के सभी आयामों पर प्रकाश डाला गया है। मौलाना को चाहिए कि वो गीता का पाठ करें और गीता का वास्तविक अर्थ समझने का प्रयास करें। गीता के अंतिम अध्याय में मानने या न मानने की छूट दी गई है। गीता (अध्याय 18) में श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि, -यह गुप्त और योग ज्ञान हमने तुझे विस्तार से बताया है। इस पर विचार करो और जो उचित लगे वो करो।-

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

सिंधु सभ्यता पर पाकिस्तान का दावा, कहीं छिपा एजेंडा तो नहीं?

-कोशल मूंटरडा-

सिंधु सभ्यता को लेकर पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अपनाए जा रहे रख ने भारत के इतिहासकारों, पुराविदों और सांस्कृतिक विरासत के विशेषज्ञों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है। यदि समय रहते इस विषय पर तथ्याधारित अंतरराष्ट्रीय विमर्श नहीं हुआ तो यह विवाद केवल सांस्कृतिक दवेदारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विश्व इतिहास की सबसे प्राचीन नगरीय सभ्यताओं में से एक के स्वरूप, नाम और ऐतिहासिक व्याख्या को प्रभावित करने का प्रयास भी बन सकता है।

किसी भी प्राचीन सभ्यता का मूल्यंकन आधुनिक राजनीतिक सीमाओं के आधार पर नहीं किया जा सकता। सिंधु सभ्यता का विकास उस समय हुआ था, जब न भारत एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य था और न ही पाकिस्तान का अस्तित्व था। इसलिए किसी वर्तमान राष्ट्र द्वारा उस पूरी सभ्यता पर विशिष्ट स्वातंत्र्य का दावा करना इतिहास की स्थापित पद्धति के अनुरूप नहीं माना जा सकता। पाकिस्तान लंबे समय से मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को राष्ट्रीय विरासत के रूप में प्रस्तुत करता रहा है, जो स्वाभाविक भी है। किंतु हाल के वर्षों में जिस प्रकार ‘पांच हजार वर्ष पुराना पाकिस्तान’ जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया गया है तथा सिंधु सभ्यता को पाकिस्तान की ऐतिहासिक पहचान के मूल आधार के रूप में प्रस्तुत करने के प्रयास दिखाई दिए हैं, उन्होंने नई बस्स को जन्म दे दिया है। जबकि, पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही सन् 1947 से है।

इस विषय पर चिंतन की आवश्यक

इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान पिछले कुछ समय से लगातार ऐसे बयान जारी कर रहा है।

अप्रैल 2025 में पहलामा आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा के बाद 2025 के उत्तरार्ध में पाकिस्तान ने ‘इंडस’ विरासत को राष्ट्रीय पवचान से जोड़ने वाले अभियानों को गति देना शुरू कर दिया। जून 2026 में सिंधु जल संधि विवाद के समानांतर पाकिस्तान ने सिंधु सभ्यता को अधिक प्रमुखता से प्रस्तुत करना शुरू किया। हाल ही, जुलाई 2026 में इस्लामाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में सिंधु जल और सांस्कृतिक विरासत के मुद्दे को साथ रखकर भारत की आलोचना की गई।

इतिहास केवल भूगोल नहीं, स्मृति भी है

इतिहास को समझने के लिए केवल वर्तमान मानचित्र पर्याप्त नहीं होते। समय के साथ कई नगरों, नदियों, क्षेत्रों और सांस्कृतिक केंद्रों के नाम बदलते रहे हैं। यदि इन परिवर्तनों को ऐतिहासिक संदर्भ से अलग कर देखा जाए तो आने वाली पीढ़ियों के सामने इतिहास की वास्तविक निरंतरता धुंधली पड़ सकती है।

जो विद्वार्थी और शोधार्थी इतिहास विषय के हैं, वे प्राचीन नामों और उनके आधुनिक रूपों का अध्ययन करते हैं, किंतु इतिहास से इतर विषयों के अधिकांश विद्वार्थियों के लिए यह जानकारी नई हो सकती है कि आज की नीलम घाटी प्राचीन ग्रंथों में किशनगंगा के नाम से वर्णित है और आज का काबुल भारतीय प्राचीन ग्रंथों में कुबा के नाम से अपना स्थान रखता है। श्रीनगर स्थित शंकराचार्य मठ का पर्वत आज तख्त-ए-सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है।

इसी तरह, लायलपुर आज फैसलाबाद कहलाता है। सांकल का वर्तमान नाम सियालकोट है। वितस्ता का आधुनिक नाम बेलम है। आक्सिनी आज चिनाब कहलाती है। प्राचीन हरिरुद को आज हेल्मंड के नाम से जाना जाता है। गंधार का आधुनिक रूप कंधार से वयहमूल आज बामूला कहलाता है।

नामों के इन परिवर्तनों को समझे बिना प्राचीन ग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों का समुचित अध्ययन संभव नहीं है। यही कारण है कि किसी सभ्यता की पहचान को केवल आधुनिक नामों और वर्तमान राजनीतिक सीमाओं के आधार पर परिभाषित करना ऐतिहासिक दृष्टि से अधूरा माना जाता है।

सिंधु सभ्यता का वास्तविक विस्तार
वरिष्ठ पुरातत्वविद व सहित्य संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. जीवन सिंह खरकवाल कहते हैं कि सिंधु सभ्यता का विस्तार वर्तमान पाकिस्तान, भारत तथा अफगानिस्तान के कुछ भागों तक था। इसके प्रमुख नगर मोहनजोदड़ो और हड़प्पा आज पाकिस्तान में स्थित हैं, जबकि धोलावीरा, राखीगढ़ी, लोथल, कालीबंगन, बनवाली सहित 900 से अधिक महत्वपूर्ण पुरास्थल भारत में हैं, जबकि सिंधु सभ्यता में 600 हैं। ज्ञात पुरास्थलों की संख्या के आधार पर भी भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उनका मानना ​​है कि यह सभ्यता किसी एक आधुनिक राष्ट्र की नहीं, बल्कि पूरे उत्तर-पश्चिम भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक विरासत है। **क्या केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति है या उससे आगे की तैयारी?**

चिंता केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि पाकिस्तान अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों

को प्रचारित कर रहा है। उनकी वास्तविक चिंता यह है कि कहीं यह प्रयास धीरे-धीरे इतिहास की नई व्याख्या स्थापित करने की दिशा में तो नहीं बढ़ रहा। सभ्यता अध्ययन केन्द्र नई दिल्ली के सह निदेशक डॉ. विवेक भटनागर का मत है कि यदि किसी सभ्यता की उत्पत्ति, उसके सांस्कृतिक आधार और उसके भौगोलिक विस्तार को क्रमशः नए राजनीतिक आख्यानो के अनुरूप प्रस्तुत किया जाने लगे, तो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय विमर्श प्रभावित हो सकता है। इसी कारण वे इस विषय को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। इतिहास में कई उदाहरण ऐसे मिलते हैं, जहां लंबे समय तक दोहराए गए राजनीतिक आख्यान बाद में सामन्य धारणा का रूप ले गए। इसलिए सिंधु सभ्यता जैसे वैश्विक महत्व के विषय पर तथ्यात्मक और प्रमाण-आधारित विमर्श अत्यंत आवश्यक है।

नाम बदलने की आशंका भी?

यह आशंका भी है कि यदि किसी सभ्यता की पहचान को नए राजनीतिक आख्यानो से जोड़ने का प्रयास जारी रहा, तो भविष्य में उसके नाम, सांस्कृतिक स्वरूप अथवा ऐतिहासिक प्रस्तुतीकरण में भी परिवर्तन की कोशिश की जा सकती है। यद्यपि ऐसा कोई आधिकारिक कदम अब तक सामने नहीं आया है, फिर भी इस संभावना को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विश्व विरासत से जुड़े विषयों में समय रहते तथ्यात्मक हस्तक्षेप और अकादमिक संवाद आवश्यक होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध और संवाद की मांग

सिंधु सभ्यता जैसे विषय को भारत-पाकिस्तान के द्विपक्षीय विवाद के रूप में नहीं,

बल्कि मानव सभ्यता की साझा धरोहर के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए यूनेस्को, अंतरराष्ट्रीय पुरातत्व संस्थानों और इतिहास शोध संस्थाओं के स्तर पर व्यापक विमर्श, संयुक्त शोध और प्रमाण-आधारित अध्ययन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इतिहास का संरक्षण भावनाओं से नहीं, बल्कि पुरातात्विक साक्ष्यों, अभिलेखों, वैज्ञानिक अनुसंधानों और प्रमाणित स्रोतों के आधार पर होना चाहिए। यदि किसी प्रकार का पुनर्लेखन या एकपक्षीय व्याख्या सामने आती है तो उसका उत्तर भी तथ्यों और शोध के माध्यम से ही दिया जाना चाहिए।

महती आवश्यकता है भारत सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के पुरातात्विक और ऐतिहासिक साक्ष्यों को अधिक प्रभावो द्दा से प्रस्तुत करे। यह केवल अतीत का प्रश्न नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐतिहासिक सत्य के संरक्षण का विषय है। भारत के पास सिंधु सभ्यता से जुड़े समृद्ध पुरातात्विक साक्ष्य, शोध और अकादमिक सामग्री उपलब्ध है। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें वैश्विक स्तर पर व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाए, ताकि मानव सभ्यता की इस अमूल्य धरोहर को सुरक्षित रखा जा सके। इतिहास किसी राजनीतिक आख्यान का नहीं, बल्कि प्रमाणित तथ्यों का इतिहास बना रहे। सिंधु सभ्यता किसी आधुनिक राष्ट्र की संपत्ति नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता की साझा धरोहर है। इसलिए इसके इतिहास, स्वरूप और पहचान से जुड़ा प्रत्येक दावा पुरातात्विक साक्ष्यों, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित इतिहासलेखन की कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

(लेखक **स्वतंत्र पत्रकार व पुरातत्व शोधार्थी हैं**)

नकाबपोश बदमाशों ने चलती बाइक पर महिला से पर्स झपाट - पर्स में था सोने-चांदी के जेवर और नकदी सहित करीब 90 हजार का सामान

निज संवाददाता

भिण्डा। जिले के एण्डेरी थाना क्षेत्र में बारहेडू गांव के पास बंबा पर बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने चलती बाइक पर सवार महिला का पर्स झपट लिया। पर्स में सोने-चांदी के जेवर और नकदी सहित करीब 90 हजार रुपए का सामान था। घटना शनिवार देर शाम की है।

जानकारी के अनुसार गोहद के वार्ड क्र.18 निवासी राजेश पुत्र लट्ठी माहौर 34 वर्ष अपनी पत्नी के साथ एण्डेरी क्षेत्र में बहन के घर गए थे। शनिवार रात करीब 8 बजे दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। तभी बारहेडू गांव के पास बंबा पर पान सिंह कोरव के खेत के सामने पीछे से बाइक पर आए तीन नकाबपोश बदमाशों ने चलती बाइक से महिला का पर्स झपट लिया। पर्स छिन्ने के दौरान महिला सड़क पर गिर गई और बदमाश मौके से फरार हो गए। बताया गया है कि पर्स में मंगलसूत्र, झुमकी, अंगूठी और करीब 4 हजार रुपए नकद थे। पुलिस ने करीब 90 हजार रुपए की लूट का मामला दर्ज कर अज्ञात तीन आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

तीन दिन में तीसरी बारदात

जिले में पिछले तीन दिनों में यह तीसरी लूट की वारदात है। जिले में लगातार हो रही लूट की घटनाओं ने पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। शुक्रवार शाम गोहद के सदर बाजार में पैदल जा रही एक महिला से बाइक सवार बदमाश मंगलसूत्र लूटकर फरार हो गए थे। इसके बाद मिहोना थाना क्षेत्र के अतियनपुरा गांव के पास नकाबपोश बदमाशों ने कट्टे की नोक पर मौसी-भांजे से जेवर, नकदी और मोबाइल लूट लिया। अब एण्डेरी थाना क्षेत्र में महिला से पर्स झपटने की वारदात सामने आई है। लगातार तीसरी लूट के बाद भी पुलिस किसी भी मामले में आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है।

रिश्ते तार-तार: बेटों ने जिंदा बाप को मृत दर्शा कर हड़प ली करोड़ों की जमीन, सच सामने आने पर जहर देकर जान से मारने की साजिश!

निज संवाददाता
 आगरा, 19 जुलाई। फतेहाबाद क्षेत्र में रिश्तों को तार-तार कर देने वाला सप्तसनीखेज और हेरान करने वाला मामला सामने आया है। संपत्ति और जमीन पाने के लालच में दो सगे बेटों ने अपने जीवित पिता को सरकारी कागजों में ‘मृत’ घोषित करवा दिया। इस जालसाजी के सहारे बेटों ने पिता के मालिकाना हक वाली करोड़ों रुपये मूल्य की कृषि भूमि को अपने नामों पर ट्रंसफर करवा लिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 70 वर्षीय बुजुर्ग परसादी लाल खुद को जीवित बताते हुए अधिकारियों के सामने न्याय की गुहार लगाने पहुंचा। पूरा मामला जानकर वहां मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों के पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़ित पिता ने अपने बेटों पर न केवल घर से बेदखल करने, बल्कि सच सामने आने पर जहर देकर जान से मारने की साजिश रचने का भी आरोप लगाया। ताजगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव बिल्लोचपुरा के मूल निवासी परसादी (70) पुत्र सुखलाल ने शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर तहसीलदार को शिकायती पत्र सौंपा। पीड़ित ने बताया कि मौजा सारंगपुर, तहसील प्रताहाबाद में उसके नाम से गाटा संख्या 165 रकबा 2.0670 हेक्टेयर तथा गाटा संख्या 91 रकबा 1.5090 हेक्टेयर अन्तर् उपजाऊ कृषि भूमि सरकारी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज थी। लगभग 25 वर्ष पूर्व परिवार के भरण-पोषण के लिए वे अपने गांव से मजदूरी करने



पंजाब के लुधियाना शहर चले गए थे, जहां वे लंबे समय तक मेहनत-मजदूरी करते रहे। इसी लंबी अनुपस्थिति का अनुचित लाभ उठाते हुए उनके दोनों सगे बेटों ने स्थानीय स्तर पर साटागाट कर राजस्व अभिलेखों में अपने पिता को मृत घोषित करवा दिया। परसादी का नाम विरासत के नाम पर सरकारी खतौनी से पूरी तरह कटवाकर दोनों बेटों ने उस पूरी पैतृक भूमि को कानूनी रूप से अपने-अपने नामों पर दर्ज करा लिया। हाल ही में जब परसादी पंजाब से वापस अपने पैतृक गांव लौटे, तो उन्हें इस धोखाधड़ी की जानकारी हुई। बुजुर्ग ने स्पष्ट किया कि वे शारीरिक व मानसिक रूप से पूरी तरह

जीवित हैं। उन्होंने जीवन में कभी भी अपनी इस पैतृक भूमि का न तो कोई विक्रय किया है और न ही किसी के पक्ष में कोई वसीयतनामा निष्पादित किया है। वृद्ध पिता ने शिकायती पत्र में बेटों की क्रूरता का वर्णन करते हुए बताया कि जब उन्होंने अपने जीवित होने का दावा किया और बेटों से अपनी मेहनत की जमीन वापस मांगी, तो दोनों बेटों ने मर्यादाओं को ताक पर रखकर उन्हें लाठियों के बल पर घर से बाहर खदेड़ दिया। बेटों ने उन्हें भोजन और पानी देना तक बंद कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि अब उनके दोनों बेटे इस अपराध को

छिपाने के उद्देश्य से उन्हें रास्ते से हटाने के लिए खाने में जहर देकर जान से मारने की खुली धमकियां दे रहे हैं। इस भयानक प्रताड़ना के कारण बुजुर्ग इस दहलीज़ उम्र में अपने ही घर-परिवार से बेदखल होकर रिश्तेदारों के यहाँ और सड़कों पर लावारिसों की तरह जीवन यापन करने को विवश हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तहसीलदार ने पीड़ित बुजुर्ग को त्वरित सुरक्षा का भरोसा दिया। उन्होंने राजस्व निरीक्षकों और क्षेत्रीय पुलिस को तुरंत मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करने तथा तीन कार्यदिवस के भीतर जांच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए।

निज संवाददाता
 आगरा। आगरा के एम्मादपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एंबुलेंस की आड़ में की जा रही अंतरराज्यीय शराब तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तस्कर हरियाणा और पंजाब से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लेकर बिहार पहुंचाते थे। पुलिस ने मौके से करीब साढ़े दस लाख रुपये की बाजार कीमत की 80 पेटी अंग्रेजी शराब, एक एंबुलेंस और एक थार गाड़ी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी बेहटा शायिर तरीके से तस्करी के इस नेटवर्क को संचालित कर रहे थे। शराब से भरी एंबुलेंस के आगे एक



था र गाड़ी पायलट वाहन के रूप में चलती थी, जिससे रास्ते की निगरानी की जाती थी और पुलिस चेकिंग की जानकारी पहले ही मिल जाती थी। एंबुलेंस का सायरन बजाकर चालक ट्रैफिक में आसानी से रास्ता बना लेते थे, जिससे पुलिस को शक भी नहीं होता था।पुछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि तस्कर हर राज्य की सीमा में प्रवेश करने से पहले एंबुलेंस और थार दोनों वाहनों की नंबर प्लेट बदल देते थे। अलग-अलग राज्यों के नंबर

इस्तेमाल कर पुलिस और प्रशासन को चकमा दिया जाता था। इस हार्डटेक तरीके से गिरोह लंबे समय से शराब की खेप बिहार तक पहुंचा रहा था।पुलिस के अनुसार, गिरोह का नेटवर्क हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार तक फैला हुआ है। शराबबंदी वाले राज्यों में अवैध शराब की सप्लाई कर गिरोह मोटा मुनाफा कमाता था। गिरफ्तार किए गए सोनीपत निवासी पंकज, रोहित, जौद निवासी साहित, शाहित और इस गैंग

को लीड कर रहे संदीप से पुछताछ जारी है और पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।एम्मादपुर पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह का सरगना कौन है और अब तक कितनी खेप बिहार पहुंचाई जा चुकी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस की आशंका है कि गिरोह लंबे समय से इसी तरीके से अवैध कारोबार चला रहा था

आगरा के जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सुनीं जनसमस्याएं मौके पर कराया निस्तारण



निज संवाददाता
 आगरा। तहसील सदर में जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से भूमि विवाद से संबंधित मामलों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर उनसे बातें करें, स्थलीय निरीक्षण के बाद शिकायतों का निस्तारण करें तथा पूरी कार्यवाही पोर्टल पर अपलोड की जाए, ताकि शिकायतकर्ता को भी निस्तारण की

जानकारी मिल सके। समाधान दिवस के दौरान कुल 139 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 19 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों में प्रमुख रूप से विद्युत, पेंशन, राशन, भूमि विवाद, चक्रोड निर्माण एवं अतिक्रमण, नाली निर्माण और अवैध कब्जों से जुड़े मामले शामिल रहे। विभागवार प्राप्त शिकायतों में 42 राजस्व, 28 पुलिस, 18 नगर निगम, 9 आगरा विकास प्राधिकरण, 8 टैरेंट पावर/विद्युत, 4 विकास खंड, 1 शिक्षा विभाग तथा 29 अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, डीसीपी सैयद अली अब्बास, उप जिलाधिकारी सदर विक्रम सिंह रायच, तहसीलदार सत्येंद्र कुमार, नायब तहसीलदार प्रियंका चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वासुपूज्य जैन मंदिर महिला मंडल, दिवांबर जैन मंदिर कमेटी, श्री समयसार विद्या निकेतन ओर युवा जैन मिलन फोर्ट ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान होगा आयोजित

इंद्रध्वज विधान की विशाल रथयात्रा कल निकलेगी, यात्रा में मंगल कलश महिलाएं ओर इंद्र इंद्राणी बगिचयों में सवार होकर निकलेंगे।

21 से 30 जुलाई तक इंद्रध्वज महामंडल विधान एवं वीर शासन जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन होगा।

निज संवाददाता
 ग्वालियर। उपनगर किलागेट सोड़ का कुआं स्थित श्री वासुपूज्य जैन मंदिर महिला मंडल, दिवांबर जैन मंदिर कमेटी, श्री समयसार विद्या निकेतन ओर युवा जैन मिलन फोर्ट ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान में प्रथम बार 21 से 30 जुलाई तक अष्टानिका महापर्व के अवसर पर इंद्रध्वज महामंडल विधान एवं वीर शासन जयंती महा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। विधान के मंगल प्रेरणा पंडित जतिश शास्त्री सनवात के निदेशन में प. महेशचंद्र जैन ग्वालियर एवं पंडित अंकुर शास्त्री मैरपुरी के द्वारा कराया जाएगा। जिसकी मंदिर समिति को ओर से तैयारिया पूर्ण रूप से हो चुकी है।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि 21 जुलाई को मंगलवार सुबह 7-30 बजे से विधान के सौम्य इंद्र महेशचंद्र जैन के निमित्त निवास हलवट खाना रोड से इंद्रध्वज महामंडल विधान की विशाल रथयात्रा निकाली जाएगी। यह रथयात्रा फोर्ट रोड से शुरू होकर हजीरा चौराहे, तानसेन नगर, रमट पुरा से लोहा मंडी से होती हुई वापस कार्यक्रम स्थल सोड़ का कुआं जैन मंदिर समय सार विद्या निकेतन पहुंचेगी। शोभायात्रा में सबसे आगे पांच घोड़े के साथ राथों पर युवक पत्थरी जैन ध्वजा लेके चलेंगे। विधान के मुख्य सौम्य इंद्र, कुबेर यज्ञ नायक इंद्र इंद्राणी गणा विंटेज

कार में सवार होकर एवं इक्कीस बगियों में इंद्र इंद्राणी राजाओं की वेशभूषा ड्रेस में सवार होकर निकलेंगे। वहीं पुरुषवर्ग व्हाइट परिधानों में चांदी की पालकी में श्रीजी को विराजित कर कंधों पर रखकर चंवर ढोते हुए चलेंगे। रथयात्रा में डीजे और बैडबाजों के साथ श्रीजी को विराजित कर चलेंगे। वहीं बालिकाएं हाथों में जिनवाणी, पंचमंत्र, अष्ट प्रतिहर्ष, पूजन की अष्ट मंगल द्रव्य लेता ताशे के साथ चलेंगी। वहीं चार बैड बाजों के साथ 108 स्वर्णमय मंगल कलश महिलाएं केसरिया साड़ियों में सिर लेकर चलेंगी। शोभायात्रा का जगह जगह अभिनंदन, स्वागत, वंदन जैन समाज लोगों अपने प्रतिष्ठवान और निवास के आगे रंगोली सज्जकार करेंगे। शोभायात्रा कार्यस्थल पहुंचने पर विधान का शुभांभ ध्वजारोहण, मंडप ओर मंच के का उद्घाटन के साथ भगवान जिनैद्र का कलशों से अभिषेक के साथ पूजन करेंगे।

इंद्रध्वज महामंडल विधान ओर वीर शासन की पत्रिका का किया विमोचन।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि 10 दिवसीय इंद्रध्वज महामंडल विधान की पत्रिका का विमोचन मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सतीश जैन टेकेदार, मंत्री नेमीचंद्र जैन, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद्र जैन, महेशचंद्र जैन, राजेंद्र जैन, नवीन जैन ओर विधानाचार्य अंकुर कुमार शास्त्री ने सामूहिक रूप से विमोचन किया।

इंद्रध्वज विधान में प्रतिदिन ये रहेंगे कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि इंद्रध्वज विधान में 21 से 30 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 06 से 07 बजे तक शांति जाप, 07 से 7-30 बजे से भगवान जिनैद्र का नित्य अभिषेक और शांतिहार होंगी। वहीं संगीतमय इंद्रध्वज विधान पूजन 7-30 से 10 बजे से होगी। 10-30 बजे से विद्वानों के प्रवचन होगा। वहीं दोपहर 3 बजे से धर्म सभा एवं देशभर से पधारे विद्वान द्वाारा गोष्ठी का लाभ मिलेगा।

दिव्यांग यात्रियों की सुविधा को बढ़ावा देने की दिशा में आगरा मंडल की पहल, एटीवीएम संचालन हेतु दिव्यांग सुविधा प्रदाताओं से आवेदन आमत्रित

निज संवाददाता
 आगरा मंडल दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते एवं ऑटोमैटिक टिकट वेडिां मशीन के संचालन हेतु दिव्यांग सुविधा प्रदाताओं के चयन के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को त्वरित एवं सुगम टिकटिंग सुविधा प्रदान करना है।

आगरा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कुल 12 एटीवीएम दिव्यांगजन श्रेणी (30 प्रतिशत आरक्षित श्रेणी) के अंतर्गत संचालित किए जाएंगे। चयनित दिव्यांग सुविधा प्रदाताओं को एटीवीएम के माध्यम से आनारक्षित टिकट जारी करने का कार्य सौंपा जाएगा।

यह पहल दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें समानजनक आजीविका उपलब्ध कराने की दिशा में भारतीय रेलवे की सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।आगरा मंडल के अंतर्गत कुल 36 एटीवीएम के

संचालन के लिए सुविधा प्रदाताओं का चयन किया जाएगा। इनमें 24 एटीवीएम सामान्य श्रेणी (70व) तथा 12 एटीवीएम दिव्यांगजन श्रेणी (30व) के लिए निर्धारित हैं। चयनित सुविधा प्रदाताओं को क्रमशः 24 एवं 30 एटीवीएम संचालित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, यात्रियों को टिकट काउंटरों पर लगने वाली भीड़ से राहत मिलेगी तथा टिकट वितरण प्रणाली और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनेगी।

इच्छुक पात्र अभ्यर्थी उत्तर मध्य रेलवे की

आधिकारिक वेबसाइट <http://www.ncr.indianrail-ways.gov.in> से आवेदन पत्र डाउनलोड कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। रेल प्रशासन ने पात्र दिव्यांग अभ्यर्थियों से इस अवसर का लाभ उठाने तथा निर्धारित समयावधि में आवेदन करने की अपील की है। आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं अन्य नियमों की विस्तृत जानकारी उत्तर मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

धौलपुर पुलिस लाइन में निःशुल्क होम्योपैथिक शिविर आयोजित, 319 मरीजों का परीक्षण एसपी वैभव शर्मा रहे मुख्य अतिथि



निज संवाददाता
 धौलपुर। डॉ. हैन्रिमेन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन के मंदिर प्रांगण में शहीद महेंद्र सिंह दिवाकर स्मृति मंच एवं चंद्रमल फाउंडेशन के सहयोग से निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. वैभव शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभांभ डॉ. वैभव शर्मा ने फीता काटकर किया उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति काफी प्रभावशाली है तथा रोगों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि इस पद्धति में उपचार में समय अवश्य लग सकता है, लेकिन मरीजों को दीर्घकालिक लाभ मिलने की बात कही जाती है।इस अवसर पर जगदीश प्रसाद जाणा ने कहा कि वर्तमान समय में अनेक लोग विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के साथ-साथ होम्योपैथिक चिकित्सा की ओर भी रुचि दिखा रहे हैं तथा इससे

लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बदलते परिवेश में अपने खान-पान का विशेष रूप से ध्यान रखें। बाजार की चीजें से परहेज रखें।डॉ. सी.पी. शर्मा ने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा में मरीज का उपचार उसकी संपूर्ण शारीरिक एवं मानसिक स्थिति को ध्यान में रखकर किया जाता है। उन्होंने बताया कि लोगों में इस चिकित्सा पद्धति के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है और अनेक रोगों में मरीज परामर्श के लिए होम्योपैथिक विशेषज्ञों से संपर्क कर रहे हैं।चंद्रमल फाउंडेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंकित अग्रवाल ने कहा कि संस्था सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया, जिससे आमजन को राहत मिल सके।शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मरीजों को



उनकी समस्या के अनुसार निःशुल्क होम्योपैथिक दवाइयां वितरित की गईं तथा नियमित उपचार संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी गई। चिकित्सकों ने लोगों को बिना चिकित्सकीय परामर्श के किसी भी प्रकार की दवा का सेवन नहीं करने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया।ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया। मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और निःशुल्क उपचार एवं दवा वितरण की व्यवस्था की सराहा की। कई मरीजों ने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी चिकित्सकों से अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, चिकित्सा शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया शहीद महेंद्र सिंह दिवाकर स्मृति मंच के सुभाष दिवाकर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।शिविर में करौली डिटी फिजिकल विजय उदैनिया मोहम्मद जाकिर हुसैन जाहिर कुरैशी शैलेन्द्र यादव अकील अहमद

एलओ मोहन सिंह स्टोर इंचार्ज राजेश कुमार हवलदार मेजर जसराम रीडर देवेन्द्र राणा रूपेंद्र सिंह नरवर अल्केश रामराज राहुल मीणा करतार सिंह राजवीर सिंह जगबीर सिंह एवं बाबूलाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।निःशुल्क चिकित्सा शिविर में आगरा से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. उमेश कुमार डॉ. राहुल कुमार डॉ. सी.पी. सिंह, डॉ. विनोद कुमार एवं डॉ. रोहित वर्मा ने कुल 319 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क होम्योपैथिक दवाइयां प्रदान कीं। कार्यक्रम के अंत में चंद्रमल फाउंडेशन की ओर से राजवीर सिंह गुर्जर व यशवीर सिंह पोसवाल ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, सहयोगी संस्थाओं एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी जनसेवा के उद्देश्य से इस प्रकार के निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। मंच का संचालन रंजीत दिवाकर एडवोकेट द्वारा किया गया।

शासकीय आईटीआई शिवपुरी में प्रवेश का नया चरण शुरू

25 जुलाई तक करें रजिस्ट्रेशन और वॉइस फिलिंग, 31 जुलाई को जारी होगी तीसरी चयन सूची

निज संवाददाता
 शिवपुरी, 19 जुलाई 2026/ शासकीय आईटीआई शिवपुरी में सत्र 2026-27 के लिए रिक्त सीटों पर प्रवेश की आगामी प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक प्रवेश नहीं लिया है या अपनी परसंद के अनुसार संस्थान एवं

ट्रेड में बदलाव करना चाहते हैं, वे 25 जुलाई 2026 तक विभाग के आधिकारिक प्रवेश पोर्टल पर नवीन पंजीयन, जुटि सुधार और चॉइस फिलिंग कर सकते हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 25 जुलाई तक अभ्यर्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, आवेदन में जुटि सुधार तथा ईचॉइस संस्थान और ट्रेड का प्राथमिकता क्रम दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद 26 जुलाई को कॉमन रैंक जारी की जाएगी। यदि किसी अभ्यर्थी को प्राप्तकों या रैंक में कोई त्रुटि दिखाई देती है, तो वह 26 एवं 27 जुलाई को ऑनलाइन सुधार करा सकते। 31 जुलाई को तीसरी चयन सूची जारी होगी। चयनित अभ्यर्थियों

को 31 जुलाई से 4 अगस्त तक संबंधित आईटीआई में उपस्थित होकर मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना और प्रवेश लेना होगा। इसके बाद 8 अगस्त को अप्रोड के साथ चौथी चयन सूची जारी की जाएगी तथा चयनित अभ्यर्थियों के प्रवेश और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया 8 से 11 अगस्त तक पूरी की जाएगी।

महिला अभ्यर्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए आईटीआई में 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं तथा प्रशिक्षण शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट का प्रावधान भी किया गया है। इसके अलावा सभी व्यवसायों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को शुल्क दो किरतों में जमा करने की सुविधा दी गई

है। बेल्डर ट्रेड में 8वीं पास अभ्यर्थियों के लिए भी प्रवेश की व्यवस्था उपलब्ध है।

प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए शासकीय आईटीआई शिवपुरी परिसर में हेल्पडेस्क संचालित की जा रही है, जहां अभ्यर्थियों को निःशुल्क मार्गदर्शन और ऑनलाइन आवेदन भरने की सुविधा उपलब्ध है। प्रथम एवं द्वितीय चरण में प्रवेश से वंचित रहे विद्यार्थी भी 25 जुलाई तक 50 रुपये शुल्क जमा कर अपनी चॉइस फिलिंग में संशोधन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी हेल्पडेस्क के मोबाइल नंबर 9039975490 एवं 9179272570 पर संपर्क कर सकते हैं।

पेपर लीक मामलेों के विरोध में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन

सोनम वांगचुक के समर्थन में निकाला विरोध मार्च, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की उठाई मांग

निज संवाददाता
श्यापुर। देशभर में सामने आए कथित पेपर लीक के मामलों, शिक्षा व्यवस्था अनियमितताओं तथा छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर शनिवार को आम आदमी पार्टी ने श्यापुर में विरोध मार्च निकालकर प्रदर्शन किया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रख्यात वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में आवाज बुलंद करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। विरोध मार्च के दौरान आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कहा कि हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आए कथित पेपर लीक के मामलों ने लाखों मेहनती छात्रों और युवाओं के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना था कि वर्षों की तैयारी और कठिन परिश्रम के बाद परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों का विश्वास परीक्षा प्रणाली से लगातार कमजोर हो रहा है। यदि दोषियों के खिलाफ समसंबद्ध और कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सभी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार शिक्षा व्यवस्था



को पूर्णतः पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी है। उन्होंने मांग की कि कथित पेपर लीक मामलों की सर्वोच्च स्तर पर निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समसंबद्ध जांच कराई जाए तथा दोषियों को कठोर दंड दिया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। पार्टी नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि सोनम वांगचुक लंबे समय से शिक्षा सुधार, युवाओं के अधिकारों और पारदर्शी व्यवस्था की आवाज उठाते रहे हैं। उनके अनुसार यह संघर्ष

केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि देश के करोड़ों विद्यार्थियों और युवाओं के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। आम आदमी पार्टी ने उनके अभियान के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा के लिए पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी। वक्ताओं ने कहा कि देश का युवा ईमानदार, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली चाहता है। सरकार को छात्रों की भावनाओं का सम्मान करते हुए शिक्षा व्यवस्था में प्रभावी सुधार करने चाहिए, ताकि मेहनत और प्रतिभा के आधार पर युवाओं

को न्याय मिल सके। प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव अनिल मीणा, जिला अध्यक्ष रीता चौहान, प्रेम बाई टैगोर, स्टार प्रचारक चतुर्भुज प्रजापति, मांगीलाल बैरवा, छात्र नेता अभिषेक मीणा कॉलोनी, चंद्रप्रकाश सेनी, रामरूप सुमन, पवन, विकास जैदा, राकेश मीणा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और युवा शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में कथित पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई तथा छात्रों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

ई-विकास प्रणाली से मिलेगा उर्वरक, अब घर बैठे जनरेट करें डिजिटल टोकन

72 घंटे तक रहेगा ई-टोकन वैध, कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देश पर जिले में पारदर्शी व्यवस्था लागू

निज संवाददाता
श्यापुर। खरीफ सीजन में किसानों को समय पर और बिना किसी परेशानी के उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देशानुसार जिले में उर्वरक वितरण की पूरी प्रक्रिया को ई-विकास प्रणाली से जोड़ा गया है। अब जिले में किसानों को शत-प्रतिशत डिजिटल ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी, सरल और व्यवस्थित बन गई है।

उपसंचालक कृषि जी.के. पचौरिया ने बताया कि किसान अब घर बैठे ही आधार और मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण कर डिजिटल ई-टोकन जनरेट कर सकते हैं। टोकन बुक होने के बाद किसानों को एसएमएस और मोबाइल एप के माध्यम से इसकी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे उन्हें अनावश्यक रूप से विक्रय केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर दर्ज किसान की जानकारी का सत्यापन राज्य अधिकारियों द्वारा किया जाता है। सत्यापन के बाद किसान को ई-टोकन जारी किया जाता है, जिसके आधार पर वह निर्धारित विक्रय केंद्र से उर्वरक प्राप्त कर सकता है। जारी किया गया ई-टोकन 72 घंटे तक वैध रहेगा। यदि निर्धारित समयवाधि में किसान उर्वरक का उठाव नहीं करता है, तो टोकन स्वतः निरस्त हो जाएगा और उसे नया टोकन बनवाना होगा।

प्रशासन ने ऐसे किसानों के लिए भी विशेष व्यवस्था की है जिनकी फार्मर आईडी नहीं बनी है या जिनके पास सामान्य ई-टोकन उपलब्ध नहीं है। इनमें वन अधिकार पट्टा धारक, राजस्व पट्टा धारक, सिकमी किसान, मृत किसान की भूमि पर खेती करने वाले, वृद्ध एवं दिव्यांग किसान, माँदर अथवा धार्मिक संस्थाओं की भूमि से जुड़े किसान तथा अन्य विशेष श्रेणी के किसान संबंधित एसडीएम के सत्यापन के बाद ई-टोकन प्राप्त कर उर्वरक का उठाव कर सकेंगे। किसान स्वयं अपने मोबाइल से, एमपी ऑनलाइन अथवा अधिकृत किनोक सेंटर के माध्यम से भी ई-टोकन जनरेट करा सकते हैं। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समिति या विक्रय केंद्र का सही चयन करते हुए डिजिटल व्यवस्था का लाभ उठाएं, ताकि समय पर उर्वरक प्राप्त हो सके और खरीफ फसलों की बुवाई एवं कृषि कार्य प्रभावित न हो।

जौरा में दिनदहाड़े बड़ी वारदात: पिता-पुत्री को कटटे की नोक पर लूटा

निज संवाददाता
जौरा। शहर में कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए रविवार दोपहर बाइक सवार तीन हथियारबंद बदमाशों ने पिता-पुत्री को अपना निशाना बनाया। धनेला गांव के रहने वाले राकेश गुर्जर अपनी बेटी के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे, तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उन्हें कटटे की नोक पर रोक लिया पीड़ित राकेश गुर्जर ने बताया कि जैसे ही वे सुनसान रास्ते से गुजर रहे थे, बदमाशों ने ओवरटेक कर उन्हें रोका और डराते-धमकते हुए असलहा तान दिया। बदमाशों ने लूटपाट करते हुए उनकी बेटी के पहने हुए सोने के जेवर, राकेश का मोबाइल फोन और जेब में रखे 75,000 नकद छीन लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपनी बाइक पर सवार होकर तेजी से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही



पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आसपास के इलाकों में घेराबंदी की, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। फिलहाल, पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है

और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। दिनदहाड़े हुई इस लूट से स्थानीय लोगों में दहशत व्याप्त है।

कटार बने परशुराम सर्व ब्राह्मण संघ के जिला अध्यक्ष
निज संवाददाता
भिण्डा। परशुराम सर्व ब्राह्मण संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय शर्मा, प्रदेश प्रभारी अरुण व्यास, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्ति समित अध्यक्ष अरुण मिश्रा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री दीपक शर्मा की सहमति से रमेश कटारो को जिला अध्यक्ष भिण्ड नियुक्ति किया है। रमेश कटारो के पिछले सराहनीय कार्यकाल को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा ने पुनः जिला अध्यक्ष नियुक्ति किया है। कटारो ने अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रदेश और राष्ट्रीय टीम ने हमारे ऊपर जो विश्वास किया है, हम संगठन के नियमानुसार कार्य करते हुए संगठन को ऊंचाई की ओर ले जाएंगे। समाज में एकता, गरीब की मदद, मेधावी छात्रों का सम्मान, समाज में नशाखोरीको दूर करने और समाज में व्याप्त कुुरीतियों को दूर करने का प्रयास करेंगे। नवनिर्गुप्त प्रदेश अध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा एवं जिला अध्यक्ष रमेश कटारो का माला पद्मनाकर भिण्ड कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। बधाई देने वालों में प्रदीप पुरोहित, गणेश्याम शर्मा, प्रमोद दुबे, शिवकुमार शर्मा, युवा प्रदेश प्रभारी गिरिराज पांडेय, परमानंद शर्मा, संतोष दुबे, बल्लू पुरोहित आदि ने बधाई दी है।

जिले में अभी तक 173.72 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज
निज संवाददाता
शिवपुरी, 19 जुलाई 2026/ शिवपुरी जिले में 01 जुन 2026 से अभी तक 173.72 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में गत वर्ष आज दिनांक तक 735.12 मि.मी. औसत वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख शिवपुरी के अधीक्षक ने बताया कि जिले की औसत वर्षा 816.3 मि.मी.है। गत वर्ष जिले में कुल 1585.86 मि.मी.वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। अभी तक शिवपुरी में 258.40 मि.मी., बैराड़ में 76 मि.मी., पोहरी में 121 मि.मी., नरवर में 234 मि.मी., करैरा में 169.80 मि.मी., पिछोर में 181 मि.मी., कोलारस में 208 मि.मी., बदवास में 152.80 मि.मी. तथा खनियाधाना में 162.50 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।



बिलवाड़ा बना क्रिकेट चैंपियन, रोमांचक फाइनल में डाबरसा को हराकर जीती ट्रॉफी

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बृजराज सिंह चौहान ने विजेता टीम को किया सम्मानित, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

निज संवाददाता
श्यापुर। ग्राम बिलवाड़ा में आयोजित भव्य ट्रान्मिट का समापन रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। फाइनल में मेजबान बिलवाड़ा की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए डाबरसा की टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया। जीत के साथ ही पूरे खेल मैदान में खिलाड़ियों और ग्रामीणों के उत्साह का माहौल देखने को मिला। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बृजराज सिंह चौहान तथा सरपंच प्रतिनिधि राम बलवान मीणा ने विजेता टीम बिलवाड़ा को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने, अनुशासन, टीम भावना और

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की सीख देते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना बनाए रखते हुए भविष्य में जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि ने उपविजेता डाबरसा की टीम को भी शानदार प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन खेल के प्रति समर्पण और संघर्ष ही खिलाड़ियों की सबसे बड़ी पहचान होती है। इस अवसर पर आयोजन समिति ने अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर स्मृति चिह्न भेंट किए। बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, ग्रामीणजन और युवाओं की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को उत्सव का स्वरूप प्रदान किया। खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी के साथ सम्मानित किया गया। अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन ग्रामीण युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ सामाजिक सोहार्द और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।

श्यापुर के सुनील बैरवा ने प्रथम प्रयास में पास की ऑल इंडिया बार परीक्षा, जिले का बढ़ाया मान

अब जिला एवं सत्र न्यायालय में करेंगे वकालत, परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर

निज संवाददाता
श्यापुर। जिले के अम्बेडकर नगर वार्ड क्रमांक- 11 निवासी सुनील कुमार बैरवा ने अपने प्रथम ही प्रयास में काउंसिल ऑफ इंडिया (All India Bar Examination - AIBE) 2026 उत्तीर्ण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस सफलता से परिवार, समाज और शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। सुनील कुमार बैरवा, रामबिलास बैरवा के सुपुत्र और वकालत के लिए आवश्यक ऑल इंडिया बार ग्वालियर से एलएलबी की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी की। इसके बाद उन्होंने मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल,



जबलपुर में अधिवक्ता के रूप में पंजीयन कराया और वकालत के लिए आवश्यक ऑल इंडिया बार एजामिनेशन (AIBE) 2026 में शामिल हुए। कड़ी मेहनत और लगन के दम पर सुनील ने

पहले ही प्रयास में परीक्षा उत्तीर्ण कर यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम से सफलता अवश्य मिलती है। इस सफलता के साथ अब सुनील कुमार बैरवा जिला एवं सत्र न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में विधिक सेवाएं प्रदान कर सकेंगे। सुनील की इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता, परिजनों, मित्रों, अधिवक्ताओं, समाजजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। क्षेत्रवासियों ने भी इसे श्यापुर जिले और विशेष रूप से अम्बेडकर नगर के युवाओं के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि बताया है। सुनील कुमार बैरवा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को देते हुए कहा कि वे न्याय के क्षेत्र में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास करेंगे।

भटके हुए 11 वर्षीय बालक को पुलिस ने सकुशल परिजनों से मिलाया



दिनारा पुलिस और बाल संरक्षण इकाई की तत्परता से उत्तर प्रदेश निवासी बालक सुरक्षित घर पहुंचा

निज संवाददाता
शिवपुरी, 19 जुलाई 2026/ दिनारा थाना क्षेत्र में भटके हुए एक 11 वर्षीय बालक को पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता के साथ उसके परिजनों से मिलाकर मानवता का परिचय दिया। पुलिस की समय पर की गई कार्रवाई से बालक सुरक्षित अपने परिवार तक पहुंच सका। 17 जुलाई को थाना दिनारा के ग्राम आवास तिराहा के पास एक बालक अकेला घूमता हुआ मिला। ग्राम थनरा निवासी अभिषेक यादव ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए इसकी सूचना थाना दिनारा पुलिस को दी और बालक को सुरक्षित थाना लेकर पहुंचे। पुछताछ में बालक ने अपना नाम मोहम्मद ईशा शेख, पिता मोहम्मद जाकिर शेख, उम्र 11 वर्ष, निवासी जिला अंबेडकर नगर (उत्तर प्रदेश) बताया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भुटिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा एसडीओपी करंरा श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में बालक के परिजनों

का पता लगाने के लिए तत्काल प्रयास शुरू किए गए। थाना दिनारा की उपनिरीक्षक अनुराधा सिंह ने उत्तर प्रदेश के थाना मालीपुर पुलिस से संपर्क कर बालक के परिवार की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान बाल संरक्षण अधिकारी से समन्वय कर बालक के रहने और देखभाल की अस्थायी व्यवस्था ट्राइबल हॉस्टल, दिनारा में कराई गई, जहां उसकी सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया। 19 जुलाई को बालक के पिता मोहम्मद जाकिर शेख शिवपुरी पहुंचे। आवश्यक दस्तावेजों की जांच और सभी वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद बालक को उसके सुपुर्द कर दिया गया। पुछताछ में पता चला कि बालक अपने पिता के पास मुंबई से बिना बताए निकल गया था और रास्ता भटककर शिवपुरी पहुंच गया। परिजनों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशील कार्यवाही के लिए आभार व्यक्त किया। इस पूरी कार्रवाई में उपनिरीक्षक अनुराधा सिंह, प्रधान आरक्षक हिमांशु चतुर्वेदी, प्रधान आरक्षक शरत कुमार, आरक्षक शिवम यादव, बाल संरक्षण अधिकारी राघवेंद्र शर्मा, ट्राइबल हॉस्टल अधीक्षक लक्ष्मीनारायण, थाना मालीपुर के थाना प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी एवं बीट प्रभारी प्रधान आरक्षक राजकुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएचबी) 2027 के लिए जिला एवं चार्ज स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

निज संवाददाता
मुरैना, 19 जुलाई 2026/जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएचबी) 2027 के संबंध में कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी श्री लोकाेश कुमार जागिड़ के निर्देशानुसार जिला एवं चार्ज स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुरैना जिले के ई-दख केंद्र में 8 जुलाई 2026 से 21 जुलाई 2026 तक किया गया।
प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना कार्य निदेशालय, भोपाल से आए श्री सुधीर कुमार एवं श्री विपिन कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएचबी) 2027 के कार्य प्रवाह तथा अन्य संबंधित कार्यों के संपादन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।
प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डीसीएचबी 2027 तैयार करने की प्रक्रिया, आवश्यक आंकड़ों के संकलन एवं उनके व्यवस्थित संभारण के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।
जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री सुनील 2026 तक संपादित किया जाएगा। इस अवधि में त्यागी ने बताया है कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएचबी) 2027 का कार्य 1 अगस्त 2026 से 30 अगस्त 2026 तक संपादित किया जाएगा। इस अवधि में निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संबंधित कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

31 जुलाई तक कराएं खरीफ फसल का बीमा, प्राकृतिक आपदाओं से मिलेगी आर्थिक सुरक्षा

निज संवाददाता
मुरैना, 19 जुलाई 2026/ किसान कल्याण विभाग ने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2026 की खरीफ फसलों का बीमा 31 जुलाई 2026 तक कराने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि अल-नीनो के संभावित प्रभाव के कारण अनियमित वर्षा एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं की आशंका को देखते हुए किसान अपनी अधिसूचित फसलों का समय रहते बीमा अवश्य कराएं।
कलेक्टर श्री लोकाेश कुमार जागिड़ ने कहा है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच के समान है। प्राकृतिक आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की

सामान्य भविष्य निधि का वार्षिक लेखा विवरण ऑनलाइन उपलब्ध

मध्यप्रदेश के अधिकारी-कर्मचारी घर बैठे देख सकेंगे जीपीएफ स्टेटमेंट, ऑनलाइन शिकायत निवारण की भी सुविधा
निज संवाददाता
मुरैना, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), मध्यप्रदेश, ग्वालियर ने राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) खातों का वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक लेखा विवरण अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया है। इससे अभिदाता अब घर बैठे अपने जीपीएफ खाते का वार्षिक विवरण देख एवं डाउनलोड कर सकेंगे।
कार्यालय महालेखाकार के अनुसार अभिदाता www.agmp.nic.in पर जाकर अपनी संबंधित सीरीज, सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) लेखा क्रमांक तथा पासवर्ड दर्ज कर वार्षिक लेखा विवरण प्राप्त कर सकते हैं। यदि वार्षिक लेखा विवरण में किसी

आरटीई एक्ट 2009 में संशोधन की मांग को लेकर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर को सौंपा ज्ञापन

निज संवाददाता
मुरैना। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व में सांसद शिवमंगल सिंह तोमर को ज्ञापन सौंपकर आगामी संसद के मानसून सत्र में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के परन्तुकों में संशोधन हेतु विधेयक लाने की मांग की।
ज्ञापन में कहा गया कि आरटीई अधिनियम, 2009 में जोड़े गए परन्तुकों की वर्तमान व्याख्या एवं अनुपालन के कारण मध्यप्रदेश सहित देश के हजारों शिक्षक असमंजस एवं असुरक्षा की स्थिति का सामना कर रहे हैं। वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों के भविष्य पर संकट उत्पन्न हो गया है। मोर्चा ने मांग की कि ऐसे प्रावधानों में संशोधन कर लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।
इस अवसर पर वरिष्ठ कर्मचारी नेता एवं म. प्र. शिक्षक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश के हजारों शिक्षक वर्तमान नियमों के कारण गहरी चिंता में हैं। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में वर्षों पूर्व नियुक्त



शिक्षकों ने अपनी योग्यता, अनुभव एवं निष्ठा के आधार पर निरंतर सेवाएं दी हैं, लेकिन बाद में लागू की गई सेवा शर्तों का प्रभाव पूर्वव्यापी रूप से खला जा रहा है, जिससे शिक्षकों की आजीविका और उनके परिवारों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने इसे न्याय और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत बताते हुए केंद्र सरकार से आवश्यक विधायी संशोधन करने की मांग की।

सांसद शिवमंगल सिंह तोमर के प्रतिनिधि ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनी तथा विषय पर उचित स्तर पर आवश्यक पहल का आश्वासन दिया।
इस अवसर पर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के संयोजक मुन्नालाल शर्मा, जिला महामंत्री धीरेन्द्र सिंह सिकरवार, धीरज शर्मा, अवधेश ङण्डोलिया, राकाेश खरे, महेशचंद सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

मिशन एड्स सुरक्षा के तहत उरहेरा गांव में लगाया इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप

आई सी टी सी द्वारा 95,95, 99 लक्ष्य पूर्ति प्रयास अंतर्गत की गई आउटरीच गतिविधि
.....
कैंप में ग्रामवासियों की एचआईवी,टीबी,सिफीलिस, एच बी,सुगर बीपी सहित अन्य जांचों की गई
.....

निज संवाददाता
आई सी टी सी सिविल हॉस्पिटल जोरा द्वारा जिला एड्स नियंत्रण समिति मुरैना के नोडल अधिकारी डॉ नरेंद्र उपाध्याय एवं सी एस ओ श्री कुलदीप सिंह भदौरिया क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर के निर्देशन व मार्गदर्शन में 95,95,99 लक्ष्य प्राप्ति के लिए किने जा रहें प्रयासों के तहत की जा रहें गतिविधियों अंतर्गत विगत दिवस जोरा विकास खण्ड के ग्राम पंचायत उरहेरा में आउटरीच गतिविधि के तहत इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम की सरयंच श्रीमती सुमन जोनवार मुख्य रूप से उपस्थित रही, इनके अलावा परामर्शदाता आईसीटीसी संदीप सेंगर, एस टी एल एस रणवीर गोयल,सी एच ओ रामेश्वर बांदिन, आशा सहयोगिनी श्रीमती इंदिरा राजपूत एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता



श्रीमती सोमवती जाटव व आशा कार्यकर्ता श्रीमती गोमती जाटव उपस्थित थी, कैंप के दौरान लगभग 50 महिला एवं पुरुषों की एचआईवी,टीबी, सिफीलिस,एच बी,सुगर बी पी सहित अन्य जांचों की गई इस अवसर पर संदीप सेंगर ने एचआईवी संक्रमण होने के कारणों की जानकारी दी एवं उन्होंने कहा कि एचआईवी की जानकारी ही एड्स का बचाव है,हर गंभवही महिला को अपने गंधधारण के तीसरे माह के भीतर ही अपनी एचआईवी की जांच अवश्य

करानी चाहिए एवं प्रत्येक व्यक्ति को भी अपनी एचआईवी की जांच करनी चाहिए,शिविर के दौरान एस टी एल एस रणवीर गोयल द्वारा टीबी बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए संक्रमण होने के कारण को विस्तार से समझाते हुए टीबी की स्क्रीनिंग की गई साथ ही टीबी लक्षणों की भी जानकारी दी, शिविर में उपस्थित लोगों को सी एच ओ रामवीर बांदिन द्वारा मौके पर ही स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की गई ।

फार्म हाउस पर एक दर्जन से अधिक नाबालिग आदिवासी बच्चियों से मारपीट, एक नाबालिग समेत तीन पर केस दर्ज

निज संवाददाता
शिवपुरी जिले के सतनवाड़ा थाना क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक नाबालिग आदिवासी बच्चियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। शनिवार को मजदूरी करने गई बच्चियों के साथ बर्देखड़ी स्थित एक फार्म हाउस पर विवाद के बाद कथित रूप से बेरहमी से मारपीट की गई। घटना में कई बच्चियां घायल हुईं। मामले में सतनवाड़ा पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
जानकारी के अनुसार बारां गांव की आदिवासी बस्ती से एक दर्जन से अधिक नाबालिग बच्चियों को शंकर जाटव आंटी से मजदूरी करने के लिए बर्देखड़ी स्थित नवीन के फार्म हाउस पर लेकर गया था। वहां पहले से बामोरकलां क्षेत्र की महिला मजदूर भी काम कर रही थी। इसी दौरान काम के बीच फावड़ा मारने की बात को लेकर दोनों पक्षों में कलहसुनी हो गई।
बताया जा रहा है कि मामूली विवाद कुछ ही देर में मारपीट में बदल गया। आरोप है कि बामोरकलां से आई मजदूरों ने नाबालिग बच्चियों को घेर लिया और उनके साथ लात-धूसों व हाथों से मारपीट की। इस



दौरान कई बच्चियां घायल हो गईं।
घटना के बाद डी-सहमी बच्चियां अपने गांव पहुंचीं और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद आदिवासी बस्ती के लोगों में आक्रोश फैल गया। सूचना मिलने पर सहरिया क्रांति के संयोजक संजय बेचैन अपने साथियों के साथ सतनवाड़ा थाना पहुंचे और पीड़ित बच्चियों व उनके परिजनों के साथ शिकायत दर्ज कराई।
पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 95/26 दर्ज

करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(2) और 3(5) के तहत एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।
सतनवाड़ा थाना प्रभारी भोलाराम पुरोहित ने बताया कि मजदूरों के बीच विवाद के बाद मारपीट की घटना हुई थी। पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है तथा मामले की विवेचना जारी है।

जौरा के रुनीपुर में खूनी संघर्ष: दो गुटों में जमकर चले लाठी-डंडे और पत्थर

निज संवाददाता
मुरैना जिले के जौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रूनीपुर गांव में जय गुरुदेव गार्डन के पास आपसी रंजिश के चलते दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष की घटना सामने आई है। विवाद बीरबल कुशवाह और दर्शन कुशवाह के परिवारों के बीच हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और जमकर लाठी-डंडे चले। इस संघर्ष में केवल पुरुष ही नहीं, बल्कि महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल रहीं, जिनोंने एक-दूसरे पर जमकर पथराव किया।
सरेराह हुई इस हिंसा और पत्थरबाजी से इलाके में अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया और लोग अपनी जान बचाते नजर आए इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के अनुसार, यह झगड़ा पुरानी आपसी रंजिश का परिणाम है। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण शांति है और पुलिस



बल तैनात कर दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

प्राारूप - सी-1				
आपराधिक प्रकरणों के सम्बंध में घोषणा				
(2०11 की रिट याचिका (सिविल) नंबर 536 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 सितम्बर,2018 के निर्णय के अनुसार (पब्लिक इंटररेस्ट फाउंडेशन और ऑर्स बनाम भारत संघ एवं एएनआर)				
अभ्यर्थी का नाम और पता: :- दामोदरसिंह, ग्राम व पो0 ऊँचिया तह. इंदरगढ़ जिला दतिया (म.प्र)				
राजनीतिक दल का नाम:- आजाद समाज पार्टी (काशी.)				
निर्वाचन क्षेत्र का नाम:- मध्यप्रदेश विधानसभा उप निर्वाचन 2026				
निर्वाचन क्षेत्र का नाम:- 22, दतिया				
मैं, दामोदरसिंह उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के सम्बंध में निम्नलिखित विवरण घोषित करता हूं।				
(A) लंबित आपराधिक प्रकरण				
क्र. सं.	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धाराओं और अपराध (अपराधों) संक्षिप्त विवरण
1	जे.एम.एफ.सी. कोर्ट करैरा	थाना करैरा में दर्ज अपराध क्रमांक 027/2020	लंबित है	धारा 1८८ उक्त प्रकरण में आरोप है कि राजनैतिक कार्यक्रम प्रतिबंध होने के बावजूद भी राजनैतिक कार्यक्रम किया गया तथा धारा 1४४ जा.फौ. का उल्लंघन किया गया।
2	जे.एम.एफ.सी. कोर्ट शिवपुरी	थाना कोतवाली शिवपुरी में दर्ज अपराध क्र. 1६5/2020	लंबित है	धारा 1८८ उक्त प्रकरण में आरोप है कि राजनैतिक कार्यक्रम प्रतिबंध होने के बावजूद भी राजनैतिक कार्यक्रम किया गया तथा धारा 1४४ जा.फौ. का उल्लंघन किया गया।
3	जे.एम.एफ.सी. कोर्ट सेंवड़ा दतिया	थाना इंदरगढ़ में दर्ज अपराध क्र. 2८9/2021	लंबित है	धारा-1४7,341,342,1८८,2६9,294
4	जे.एम.एफ.सी. कोर्ट सेंवड़ा दतिया	थाना इंदरगढ़ में दर्ज अपराध क्र. 5४४/2023	लंबित है	धारा- 1४7,1८८,341
5	जे.एम.एफ.सी. कोर्ट सेंवड़ा	थाना लांच में दर्ज अपराध क्र. 179/2023	लंबित है	धारा 1८८ उक्त प्रकरण में आरोप है कि राजनैतिक कार्यक्रम प्रतिबंध होने के बावजूद भी राजनैतिक कार्यक्रम किया गया तथा धारा 1४४ जा.फौ. का उल्लंघन किया गया।
6	उक्त मामले में आज दिनांक तक न्यायालय में चालान पेश नहीं किया गया है।	देहात थाना भिण्ड में दर्ज अपराध क्र. 347/2025	आज दिनांक तक न्यायालय में चालान पेश नहीं किया गया।	धारा- 223,1८9(2),352,115 बी.एन.एस.
7	उक्त मामले में आज दिनांक तक न्यायालय में चालान पेश नहीं किया गया है।	थाना गौराघाट में अपराध दर्ज है। दिनांक 11 मार्च 202६	लंबित है	धारा - 1५1
(B) दंडनीय अपराधों के लिए सजा के प्रकरणों का विवरण				
क्र.सं.	न्यायालय का नाम और आदेश की तिथि	कार्यालय और लगायी गयी सजा का विवरण	लगाया गया अधिकतम दंड	
1.	शून्य	शून्य	शून्य	

'मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता, 2026' के विधेयक का अनुमोदन

‘मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2026’ का अनुमोदन

क्रम्मध्यप्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026ऋ का अनुमोदन

क्रम्मध्यप्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026ऋ का अनुमोदन

मध्म्याप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026 का अनुमोदन

मध्म्याप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन

मध्म्याप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026 का अनुमोदन

मध्म्याप्रदेश कोड ऑन एम्मावरिंग वर्कस्पेसेज, 2026 (मध्म्याप्रदेश श्रम शक्ति संहिता 2026 का अनुमोदन

मध्म्याप्रदेश ईज ऑफ़ डूइंग बिज़नेस विधेयक, 2026 का अनुमोदन

प्रदेश में 73 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के लिए 898.96 करोड़ रुपये की स्वीकृति



निज संवाददाता
भोपाल / मुख्यमंत्री डॉं मोहन यादव की अध्यक्षता में गौड वंश के वैभवशाली दुर्ग जगदीशपुर के चमन महल में समानता और न्याय की भावना को समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता 2026 को विधान सभा में प्रस्तुत करने के लिए अनुमोदन किया।मंत्रिपरिषद ने 8 अन्य विधेयकों को आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए जाने के लिए भी अनुमोदन किया । मंत्रि-परिषद के एक अन्य निर्णय में प्रदेश के 73 अस्पतालों के उन्नयन को भी मंजूरी दी गई है।मंत्रिपरिषद ने इस कार्य के लिए 898 करोड़ 96 लाख रुपए भी स्वीकृत किए हैं ।

•मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता, 2026+ के विधेयक का अनुमोदन
मंत्रि-परिषद ने समानता और न्याय की भावना को समर्पित •मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता, 2026+ के विधेयक का अनुमोदन किया। साथ ही आवश्यक संवैधानिक एवं प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं पूर्ण कर मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।
•मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2026+ का अनुमोदन
मंत्रि-परिषद ने •मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2026+ का अनुमोदन किया। साथ ही विधेयक को विधानसभा में पुनःस्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।

•मध्यप्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026+ का अनुमोदन
मंत्रि-परिषद ने •मध्यप्रदेश राजमार्ग

(संशोधन) विधेयक, 2026+ का अनुमोदन किया। विधेयक को विधानसभा में पुनःस्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया गया।

•मध्यप्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026+ का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने •मध्यप्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026+ का अनुमोदन दिया। साथ ही विधेयक को विधानसभा में पुनःस्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026 का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026 (निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना हेतु भूमि, निर्मित क्षेत्र तथा निव्यास निधि के प्रावधान से छूट दिया जाना) का अनुमोदन दिया।

मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026 का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधानसभा में विधेयक को प्रस्तुत करने और स्वीकृत कराने की अग्रिम कार्यवाही हेतु लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया है।

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय

(संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन
मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधासभा में अग्रिम कार्यवाही के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश कोड ऑन एम्पावरिंग वर्कस्पेसेज, 2026 (मध्यप्रदेश श्रम शक्ति संहिता 2026 का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश कोड ऑन एम्पावरिंग वर्कस्पेसेज, 2026 (मध्यप्रदेश श्रम शक्ति संहिता 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधानसभा में अग्रिम कार्यवाही के लिए श्रम विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश ईज ऑफ़ डूइंग बिज़नेस विधेयक, 2026 का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश ईज ऑफ़ डूइंग बिज़नेस विधेयक, 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधानसभा में अग्रिम कार्यवाही के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग को अधिकृत किया गया।

प्रदेश में 73 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के लिए 776 करोड़ 13 लाख रुपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की सहज एवं सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के 73 उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सिविल अस्पताल में उन्नयन के लिए 776 करोड़ 13 लाख रुपये की स्वीकृति दी है।

मंत्रि-परिषद ने 29 उप स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन 6-बिस्तराय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 19 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में, 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को 50 बिस्तरय सिविल अस्पताल में और 7 संस्थाओं को 100 बिस्तराय अस्पताल में उन्नयन को मंजूरी दी। इन संस्थाओं में 1600 नियमित एवं 71 सविदा के नवीन पदों के सृजन तथा कुल 560 व्यक्तियों को आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से कार्य पर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।इस पर प्रति वर्ष 122.83 करोड़ रुपए के व्यय की भी मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की है।स्वास्थ्य संस्थाओं की स्थापना और उन्नयन से क्षेत्र की जनता तथा आस-पास के क्षेत्रों की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध हो सकेंगी

गौंड राजवंश के साथ ही सिधिया और राजपूत शासनकाल की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है जगदीशपुर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

समानता और न्याय की भावना को समर्पित है आज की मंत्रि-परिषद बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 करोड़ रुपए की लागत से नवसंवर्धित जगदीशपुर किले का किया लोकार्पण

प्रदेश के आठ जिलों में हुई सामान्य से अधिक वर्षा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले किया संबोधित

निज संवाददाता
भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जगदीशपुर का गौरवशाली इतिहास रहा है। जगदीशपुर लंबे संघर्ष, समृद्ध संस्कृति और सभ्यता का साक्षी रहा है। जगदीशपुर, गौंड राजवंश के साथ ही सिंधिया और राजपूत शासन काल की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। यहां के गौरवशाली इतिहास के प्रति सम्मान के प्रकटीकरण के लिए मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समानता और न्याय की भावना को समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के पास स्थित जगदीशपुर में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले, मंत्री गण को संबोधित करते हुए विचार व्यक्त किए।

जगदीशपुर दुर्ग पर केंद्रित फिल्म का हुआ प्रदर्शन
मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में •समानता और न्याय की भावना को समर्पित• मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अपर मुख्य सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला ने पौधा और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। बैठक में उपस्थित सभी मंत्री गण का मंत्री श्री विश्वास सागर तथा राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने गौंड पेंटिंग भेंट कर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 करोड़ रुपए की लागत से नवसंवर्धित जगदीशपुर किले का लोकार्पण किया। जगदीशपुर दुर्ग के गौरवशाली इतिहास और राज्य शासन द्वारा दुर्ग के संरक्षण को समर्पित फिल्म का प्रदर्शन भी इस अवसर पर किया गया।

शौर्य-सुरासन-लोककल्याण और सेवा क्षेत्र से जुड़े महान व्यक्तित्वों को समर्पित रही है मंत्रि-परिषद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्रि-परिषद की विशेष बैठकें शौर्य-सुरासन-लोककल्याण और सेवा क्षेत्र में विशेष

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मंत्रीगण सहित ई-बस से पहुंचे जगदीशपुर



ईधन और शासकीय संसाधनों के मितव्ययी उपयोग का दिया संदेश
मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मार्ग में कई स्थानों पर हुआ स्वागत
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धरोहर प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

निज संवाददाता
भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मंत्री परिषद की बैठक के लिए ई-बस से जगदीशपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में ईंधन, शासकीय संसाधनों के मितव्ययी उपयोग और सुरासन की भावना को साकार करते हुए मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ, सामूहिक रूप से मुख्यमंत्री निवास से इलेक्ट्रिक बस से प्रस्थान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनुकरणीय पहल के लिए अपने शासकीय वाहन और सुरक्षा काफिरा सीएम हाउस में ही छोड़े। समस्त मंत्रीगण और उनका स्टाफ प्रातः 10 बजे मुख्यमंत्री निवास पहुंचे, जहां से तीन इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से सामूहिक रूप से सभी बैठक स्थल के लिए रवाना हुए। इस दौरान मंत्रियों के व्यक्तिगत वाहन, पायलट और फॉलो वाहन जैसी सुविधाएं मुख्यमंत्री निवास में ही रोक दी गईं।

वरिष्ठ अधिकारी अपने वाहनों के बजाय ई-बस से हुए रवाना
मंत्रिपरिषद बैठक में सम्मिलित होने वाले वरिष्ठ अधिकारीगण भी अपने वाहनों को कुशाभाऊ ठकुरे परिसर में छोड़कर प्रातः 10 बजे इलेक्ट्रिक बस से सामूहिक रूप से जगदीशपुर बैठक स्थल पहुंचे। यह पहल मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उस सोच को परिलक्षित करती है, जिसके अंतर्गत शासन के हर स्तर पर सादगी, मितव्ययिता और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को प्राथमिकता दी जा रही है।
जनजातीय नायकों और सुरासन पर केंद्रित रही प्रदर्शनी

मुख्यमंत्री निवास से चली ई-बसों के प्रति राजधानी वासी विशेष रूप से उत्सुक रहे, कई स्थानों पर ई-बसों पर पुष्प वर्षा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मार्ग में पातरा पुल, लांबाखेड़ा और जगदीशपुर में प्रवेश पर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जगदीशपुर पहुंचने पर विधायक श्री विष्णु खत्री ने अंग वस्त्रम से उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रवेश द्वार पर तिलक कर अभिवादन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर जगदीशपुर दुर्ग में लगाई गई धरोहर प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कलाकारों से संवाद भी किया। इस प्रदर्शनी में प्रदेश के जनजाति नायकों सहित सुरासन और शौर्य के पर्याय शासकों और राष्ट्रपत्नियों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं।

प्रशासन पूरी तैयारी के साथ किसानों की सहायता के लिए तत्पर रहे

आधुनिक तकनीक, प्राकृतिक खेती और सिंचाई में विस्तार से बनेगा समृद्ध मध्म्याप्रदेश

निज संवाददाता
भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को झाबुआ में बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत ऑनलाइन किसानों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उल्लेखनीय है कि •कृषक कल्याण वर्ष+ के अंतर्गत प्रदेश में •बलराम कृषि महोत्सव-2026 मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर से इसकी शुरूआत की। अगला बलराम कृषि महोत्सव 21 जुलाई को आलीराजपुर में, 23 जुलाई को बड़वानी, 25 जुलाई को खरीगोन में, 27 जुलाई को बुरहानपुर में और 30 जुलाई को खण्डवा में आयोजित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसी स्थिति में उन्होंने प्रशासन को पूरी तैयारी के साथ किसानों की सहायता के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि किसानों को तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण शुन्य प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को मात्र पांच रुपये में बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं तथा डेयरी विकास के लिए 40 लाख रुपये तक की योजना में 33 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सलाह, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण के सिद्धांतों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाएं। केंद्र और राज्य सरकार किसान हितों की रक्षा तथा कृषि विकास के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए

बलराम कृषि महोत्सव-2026



पूर्णातः प्रतिबद्ध है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के •प्राकृतिक खेती+ के विजन को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत झाबुआ जिले में 50 कृषि सखियों का चयन किया गया है। जिले में वर्तमान में लगभग 3,125 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है तथा किसानों की प्राकृतिक खेती का प्रमाणिकरण भी कराया गया है।
उन्होंने कहा कि •एक जिला-एक उत्पाद+ योजना के माध्यम से कड़कनाथ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2025 में जिले में कड़कनाथ पालन से एक हजार से अधिक नए हितग्राही जोड़े गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन किसानों की नियमित आय का मजबूत आधार बन सकता है। पशुपालन विभाग की शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को मात्र पांच रुपये में बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं तथा डेयरी विकास के लिए 40 लाख रुपये तक की योजना में 33 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है।
मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सलाह, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण के सिद्धांतों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाएं। केंद्र और राज्य सरकार किसान हितों की रक्षा तथा कृषि विकास के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगदी फसल के रूप में कपास उत्पादन को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा

स्थान रखने वाले प्रदेश के महान व्यक्तित्वों से जुड़े स्थानों पर आयोजित की गई है। इस कड़ी में पहली डेस्टिनेशन बैठक जबलपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य को समर्पित रही। इसके बाद दमोह जिले के सिंगमपुर, लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में मंत्रि-परिषद की बैठक की गई। देवी लोकमाता अहिल्याबाई के 300 वें जयंती वर्ष पर इंदौर के राजवाड़ा में और उसके बाद पचमढ़ी के राजभवन में राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। इसी कड़ी में खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। बड़वानी जिले में भीलट बाबा देवस्थल नालवाड़ी में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में जनजातीय नायक क्रांतिसूर्य टंडया मामा का स्मरण किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्लीमनाबाद वाटर टनल के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्लीमनाबाद वाटर टनल के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इससे अनेक गांवों को लाभ मिलेगा। लगभग छई लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। कटनी शहर को पेयजल उपलब्ध होगा। लगभग 12 किलोमीटर लंबी स्लीमनाबाद टनल से रीवा, सतना, मैहर, पन्ना और कटनी जिले लाभान्वित होंगे। आगामी दो से तीन माह में इस टनल परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा।

किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश में किसान हित में हो रहे कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश में किसान हित में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में बलराम कृषि महोत्सव जारी है, जिसमें किसानों को जैविक कृषि, खेती में अत्याधुनिक मशीनों के इस्तेमाल, फसल विविधीकरण, कीटनाशकों के कम से कम उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

भारत टैक्स 2026 में मध्यप्रदेश की रही सक्रिय सहभागिता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई दिल्ली के भारत मंडप में भारत टैक्स 2026 में मध्यप्रदेश ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। इस आयोजन में प्रदेश को उद्योगपतियों और निवेशकों की ओर से लगभग 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे भविष्य में 12 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में भोपाल में हुई पहली ग्लोबल इन्वेस्टर्स सफिट (जीआईएस 2025) की सफलता को विशेष रूप से सराहा गया।

प्रदेश के 23 जिलों में सामान्य से कम और 23 जिलों में अब तक हुई सामान्य वर्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कम वर्षा की स्थिति बनी हुई है। अब तक इंदौर, बुरहानपुर, नीमच, देवास, आगर-मालवा, भिंड, सीहोर और हरदा में सामान्य से अधिक वर्षा हुई। अब तक प्रदेश के 23 जिलों में सामान्य से कम और 23 जिलों में सामान्य वर्षा हुई है। अलीराजपुर अति अल्प वर्षा से प्रभावित है।